दैनिक

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

आरएनआई क्र.MPHIN/2012/40924

प्रेरणापुंज- विचित्र कुमार सिन्हा -- ब्यूरो प्रमुख भोपाल- विलक्षण सक्सेना

जबलपुर, होशंगाबाद एवं सीहोर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र निर्भीक समाचार-पत्र

प्रधान सम्पादक-कृष्णकान्त सक्सेना   वर्ष-15, अंक -162 जबलपुर, मंगलवार 21 जुलाई 2026   कीमत-1 रूपया पृष्ठ-8   संपादक अरूण श्रीवास्तव

अभिजीत दीपके को हिरासत में लिया, सीजेपी का चलो संसद मार्च के चलते दिल्ली पुलिस अलर्ट; प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले दागे

नई दिल्ली-(आरएनएस)। कॉकरोच जनता पार्टी ;सीजेपी के प्रदर्शनकारियों पर दिल्ली पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया हैण् पुलिस ने उन्हें जंतर.मंतर से संसद की तरफजाने से रोक दिया हैण् तमाम रोक के बावजूद प्रदर्शनकारी संसद भवन की तरफ बढ़ रहे थेए तभी पुलिस ने उनको खदेड़ा और उन पर लाठीचार्ज कियाण् भीड़ को काबू करने के लिए आरएएफ कर्मियों और पुलिस ने लाठियों का इस्तेमाल कियाण दरअसल संसद के मानसून सत्र और के संसद मार्च को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने राजधानी में पहले से ही सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी थीण् नयी दिल्ली में बीएनएसएस की धारा 163 लागू कर दी गई थीण् सीजेपी के प्रोटेस्ट में शामिल होने कई दलों के नेता पहुंचे थेण् आम आदमी पार्टी के मनीष सिसोदियाए संजय सिंहए आजाद समाज पार्टी के चीफ और यूपी के नगीना से सांसद चंद्रशेखर भी पहुंचे थेण् इसके अलावा एक्टर प्रकाश राजए सोनम वांगचुक की पत्नि गीताजंलि भी पहुंची थीं सीजेपी ने 20 जुलाई को संसद तक मार्च करने का प्रस्ताव रखा था

युवाओं के साथ अन्याय हो रहा है. चंद्रशेखर आजाद

आजाद समाज पार्टी कांशी राम के प्रमुख और सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि सरकार अपना धर्म निभा रही हैए पुलिस अपना धर्म निभा रही है और मैं इस मिट्टी के प्रति अपना फर्ज निभाने के लिए इस संघर्ष का हिस्सा बना हूंण् एक भारतीय युवा होने के नातेए मैं युवाओं का दर्द समझता हूं मैं उनकी आवाज बनने और उनके साथ खड़े होने के लिए यहां आया हूंण् उनके साथ अन्याय हो रहा हैण् सरकार ऐसा होने दे रही है

पटेल चौक समेत इन स्टेशनों पर एंट्री.एग्जिट बंद

कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध मार्च को देखते हुए दिल्ली मेट्रो रेल निगम ने पांच मेट्रों स्टेशन ;राजीव चौकए जनपथए पटेल चौकए केंद्रीय सचिवालय और सेवा तीर्थद्ध की एंट्री.एग्जिट अस्थायी रूप से बंद कर दी थीण बता दें कि कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने यह मार्च ;जंतर.मंतर से संसद तकद्ध बुलाया थाण् दिल्ली पुलिस ने इसकी अनुमति नहीं दी थी फिर भी बड़ी संख्या में उनके समर्थक जंतर.मंतर पर जुटे थेण् कई विपक्षी नेता भी वहां पहुंचे थे मार्च के दौरान जंतर.मंतर पर भारी भीड़ थीण् कॉकरोच जनता पार्टी का यह प्रोटेस्ट पेपर लीक और युवा बेरोजगारी के मुद्दों पर हो रहा हैण् सीजेपी ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफे की मांग की हैण् प्रदर्शनकारियों का कहना है कि बड़े पैमाने पर पेपर लीक हो रहा हैण् छात्र आत्महत्याएं कर रहे हैंण् मगर इसकी जवाबदेही कोई नहीं ले

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मिला सीजेपी डेलिगेशन, धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा सहित ये मांगें रखीं, आंदोलन जारी रहेगा

नई दिल्ली. (आरएनएस)। राजधानी दिल्ली में आज से शुरू हो रहे संसद के मॉनसून सत्र के पहले ही दिन सड़क से लेकर संसद तक भारी हंगामे के आसार नजर आ रहे हैं. कॉकरोच जनता पार्टी के प्रस्तावित संसद मार्च के ऐलान के चलते सुरक्षा एजेंसियां भी अलर्ट पर हैं. दिल्ली पुलिस ने सीजेपी के प्रस्तावित चलो संसद मार्च से पहले नई दिल्ली जिले में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करते हुए धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है. सीजेपी नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, शिक्षा व्यवस्था में सुधार और प्रभावित छात्रों को न्याय देने की मांग को लेकर 20 जून से जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रही है. सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके की रातभर धरनास्थल पर डटे रहने की अपील के बाद रविवार को ही बड़ी संख्या में लोग जंतर-मंतर पर पहुंच गए और सोमवार को प्रस्तावित संसद चलो मार्च से पहले वहां बैनर लगाकर नारेबाजी की. उधर दिल्ली पुलिस की ओर से सभी प्रदर्शनकारियों से शांति बनाए रखने, संयम बरतने और शांति एवं सार्वजनिक व्यवस्था सुनिश्चित करने में पुलिस के साथ सहयोग करने की अपील की गई. साथ ही कहा गया कि सभी प्रतिभागियों से अनुरोध है कि वे शांतिपूर्ण व्यवहार करें, किसी भी गैरकानूनी या हिंसक गतिविधि में शामिल न हों और ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों/कर्मियों द्वारा जारी किए गए कानूनी निर्देशों का पालन करें. सौरव दास ने एक्स पर लिखा, मैं और आशुतोष रांका दोपहर 12 बजे से जे.पी. नड्डा के आवास पर हैं.

राज्यसभा में गूंजा छात्रों का मुद्दा, कार्यवाही स्थगित

नीट और राम मंदिर विवाद- हंगामे की भेंट चढ़ा मानसून सत्र का पहला दिन, आगे भी होगी सियासी जंग

नई दिल्ली. (आरएनएस)। संसद के मानसून सत्र में सोमवार को लोकसभा में नीट पेपर लीक और राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दों पर विपक्षी सांसदों ने जमकर हंगामा किया. विपक्षी सांसदों ने विभिन्न राष्ट्रीय मुद्दों पर तत्काल चर्चा की मांग करते हुए नारेबाजी की, जिससे सदन का माहौल गर्मा गया.

लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सदस्य अपनी सीटों से उठकर सदन के मध्य भाग में पहुंच गए और सरकार के खिलाफ नारे लगाने लगे. कुछ सांसदों ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की मांग करते हुए स्पीकर से हस्तक्षेप की अपील की. लगातार हंगामे के बीच स्पीकर ओम बिरला ने सदस्यों से सदन की गरिमा बनाए रखने और नियमों के तहत अपनी बात रखने का आग्रह किया.

स्पीकर ने कहा कि संसद संवाद और सार्थक चर्चा का मंच है तथा सभी सदस्यों को नियमानुसार अपनी बात रखने का अवसर दिया जाएगा. उन्होंने तख्तियां दिखाने और नारेबाजी से बचने की सलाह देते हुए कहा कि इससे संसदीय परंपराओं को नुकसान पहुंचता है. शोर-शराबा जारी रहने पर लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी गई.

उधर, राज्यसभा में भी विपक्ष ने प्रदर्शनकारियों और छात्रों से जुड़े मुद्दों को लेकर सरकार को घेरा. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ कथित पुलिस कार्रवाई का मुद्दा उठाते हुए सरकार से जवाब मांगा. उनके बयान के बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई, जिससे सदन में हंगामे की स्थिति बन गई.

मध्य प्रदेश विधानसभा का पांच दिवसीय मानसून सत्र आज से शुरू

एमपी. विधानसभा में यूसीसी पर भड़का विपक्ष

कांग्रेस बोली- एकाएक बिल पेश करना गलत, विजयवर्गीय का पलटवार- परंपरा का हुआ पालन

सरकार प्रथम अनुपूरक बजट और यूसीसी सहित 14 महत्वपूर्ण विधेयक पेश करेगी कांग्रेस आदिवासी मुद्दों, कानून-व्यवस्था और अन्य जनहित के विषय उठाएगी

भोपाल ।(आरएनएस)। सोमवार को मध्य प्रदेश विधानसभा में मंत्री गौतम टेटवाल ने पेश किया यूसीसी बिल किया। पांच दिवसीय मानसून सत्र में सरकार द्वारा 2026-27 के लिए प्रथम अनुपूरक बजट के साथ समान नागरिक संहिता (यूसीसी) सहित कुल 14 विधेयक प्रस्तुत किए जाएंगे।

समान नागरिक संहिता यूसीसी, नागरिक सुरक्षा संहिता, फायर सेफ्टी, धनवंतरी विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय संशोधन, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, निजी विश्वविद्यालय संशोधन, पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज संशोधन, वेट संशोधन, माल तथा सेवा कर संशोधन, उपकार संशोधन, राज मार्ग संशोधन विधेयक प्रस्तुत किए गए। कल से विधेयकों पर सदन में चर्चा होगी।

किसानों को समय पर खाद-बीज उपलब्ध कराने की मांग की और सरकार को घेरा

खाद-बीज संकट को लेकर कांग्रेस का मप्र विधानसभा के बाहर प्रदर्शन, गांधी प्रतिमा के सामने दिया धरना

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में विधायकों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी

भोपाल। (आरएनएस)। मध्य प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को कांग्रेस ने किसानों के मुद्दों को लेकर सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस विधायक विधानसभा परिसर के बाहर स्थित गांधी प्रतिमा पर धरने पर बैठे और प्रदेश में खाद-बीज की समस्या को लेकर सरकार को घेरा। **सरकार को घेरा**

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस विधायकों ने हाथों में तख्तियां और पोस्टर लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कांग्रेस नेताओं का आरोप था कि प्रदेश के किसान समय पर खाद और बीज नहीं मिलने से परेशान हैं, जबकि सरकार उनकी समस्याओं के समाधान में विफल रही है।

त्रिपुरा के डीजीपी अनुराग धनखड़ का अपने ऑफिस में मिला शव, हेडक्वार्टर में मचा हड़कंप

नई दिल्ली.(आरएनएस)। त्रिपुरा में एक दुखद व हैरान करने वाली घटना घटी है. प्रदेश के पुलिस मुखिया यानी डीजीपी अनुराग धनखड़ का शव उन्हीं के ऑफिस में मिला है. इससे अगरतला में पुलिस मुख्यालय में हड़कंप की स्थिति मच गई है. अभी तक सुसाइड की आशंका जताई जा रही है. सोमवार को अगरतला स्थित पुलिस मुख्यालय में उस समय हड़कंप मच गया जब पुलिस मुखिया डीजीपी अनुराग धनखड़ का शव उन्हीं के ऑफिस में मिला. घटना के बाद उन्हें तुरंत जीबीपी (गोविंद बल्लभ पंत) अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. शुरुआती जानकारी के अनुसार, पुलिस इस मामले को संदिग्ध आत्महत्या मानकर जांच कर रही है.

महाराष्ट्र - समृद्धि एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा, वर्धा के पास कार को ट्रक ने मारी टक्कर, 5 लोगों की मौत

नागपुर.(आरएनएस)। महाराष्ट्र के वर्धा जिले में समृद्धि एक्सप्रेसवे पर सोमवार तड़के एक बेहद भीषण सड़क हादसा सामने आया है. पुलगांव पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले विरूल इंटरचेंज के पास तेज रफ्तार आयशर ट्रक ने आगे चल रही कार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी. इस दर्दनाक टक्कर में कार सवार चार लोगों और ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई. वहीं हादसे में गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति का इलाज नजदीकी अस्पताल में जारी है. पुलिस अधिकारियों के अनुसार, दुर्घटना इतनी भीषण थी कि कार का पिछला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया. कार में सवार चालक समेत चारों लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया. टक्कर के प्रभाव के कारण आयशर ट्रक का चालक भी गंभीर रूप से झुलसने व चोटिल होने की वजह से जान गंवा बैठा. इस दर्दनाक हादसे का एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) पर भी तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें दुर्घटनाग्रस्त वाहनों की भयावह स्थिति देखी जा सकती है. घटना की सूचना मिलते ही हाईवे पुलिस और पुलगांव पुलिस स्टेशन की बचाव टीम तुरंत मौके पर पहुंची.

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने किया 6 लाख रुपये के मुआवजे का ऐलान

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में भूस्खलन से 7 की मौत

जम्मू-(आरएनएस)। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पुंछ ज़िले में भूस्खलन की चपेट में आने से मिट्टी के एक घर में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि यह घटना लोरान गांव में हुई, जहां इलाके में भारी बारिश हो रही थी; मरने वालों में चार महिलाएं भी शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा कि बचाव अभियान चल रहा है और तलाशी के लिए टीमें पहुंच गई हैं। पुंछ जम्मू-कश्मीर के उन इलाकों में से एक है जहां भारी बारिश हुई है, जिससे कई हिस्सों में अचानक बाढ़ और बादल फटने जैसी घटनाएं हुई हैं। बचाव अभियान जारी है, लेकिन अधिकारियों ने बताया है कि पुंछ जिले में अब तक लगभग 17 लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि, मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि छह लोग अभी भी लापता हैं।

सीधी के भाजपा सांसद राजेश मिश्रा को जान से मारने की धमकी, सीजेपी समर्थक ने लिखा- आज आपका आखिरी दिन हो

सीधी। (आरएनएस)। दिल्ली के एक व्यक्ति ने सोशल मीडिया में पोस्ट करके मध्य प्रदेश के सीधी से भाजपा सांसद डॉ. राजेश मिश्रा को धमकी दी है। आरोपित ने लिखा है कि भगवान करे, आज आपका आखिरी दिन हो। आंदोलनकारी (प्रोटेस्टर) आपको जान से मार दें, ओम शांति। बताया गया कि दिल्ली निवासी चंद्रा पांडेय ने दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) द्वारा किए जा रहे प्रदर्शन के बीच यह धमकी दी है। यह पोस्ट डॉ. राजेश मिश्रा और बीजेपी मप्र को टैग किया गया है। सांसद ने अभी शिकायत नहीं की है।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना अधारताल में विनोद उपाध्याय उम्र 50 वर्ष निवासी टेमरभीटा रोड गोराबजार ने लिखित शिकायत की कि उसकी फर्म मेसर्स गंगा फूड्स पता टेमरभीटा रोड गोराबजार मे है। उसके द्वारा अपनी फर्म के माध्यम से पैकेज्ड खाद्य सामग्री जिसमें विभिन्न प्रकार के कुरकुरे, चिप्स, नमकीन आदि आते हैं का निर्माण अपने रजिस्टर्ड टेऊड मार्क एक्टिवा ब्रांड से किया जाता है तथा उपरोक्त प्रोडक्ट जबलपुर सहित आसपास के क्षेत्र में विक्रय किया जाता है वह फर्म में गुणवतत्तापूर्ण खाद्य सामग्री का उपयोग करता है और निरंतर पिछले 12 वर्ष से उपरोक्त कार्य कर रहा हैं

विधानसभा में विधायक लखन घनघोरिया ने सरकार को घेरा

रु.815 करोड़ के खेल बजट के बावजूद जबलपुर के खिलाड़ी मूलभूत सुविधाओं से वंचित

भोपाल/जबलपुर ।जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र में जबलपुर पूर्व विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री लखन घनघोरिया ने खेल एवं युवा कल्याण विभाग से संबंधित चर्चा के दौरान जबलपुर की जर्जर खेल अधोसंरचना, खिलाड़ियों के संरक्षण तथा खेल सुविधाओं की बदहाल स्थिति का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने के बड़े-बड़े दावे कर रही है, लेकिन धरातल पर खिलाड़ी आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

श्री घनघोरिया ने विधानसभा में कहा कि जब खेल विभाग का बजट ?815 करोड़ तक पहुँच चुका है, तब यह स्वाभाविक प्रश्न है कि इतनी बड़ी राशि का वास्तविक लाभ खिलाड़ियों को क्यों नहीं मिल रहा। उन्होंने सरकार से पूछा कि यदि खेलों के विकास के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध है, तो प्रदेश के प्रमुख शहर जबलपुर में खेल अधोसंरचना की स्थिति लगातार बदतर क्यों होती जा रही है।

उन्होंने विशेष रूप से जबलपुर स्थित

रानी दुर्गावती वेलोड्रोम की दुर्दशा का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके रखरखाव पर लगभग ?15 से 20 लाख तक की राशि व्यय किए जाने के बावजूद इसकी वर्तमान स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। उन्होंने खेल एवं युवा कल्याण मंत्री से आग्रह किया कि वे स्वयं स्थल का निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति देखें और आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करें। ज्ञात हो कि सरकार ने अनेक प्रतियोगियों/कप आदि आयोजित भी नहीं करवाए हैं।

जबलपुर जैसे ऐतिहासिक एवं खेल प्रतिभाओं से समृद्ध शहर में आज तक एक समुचित फुटबॉल मैदान उपलब्ध नहीं हो सका है। इस पर मंत्री द्वारा विधानसभा में यह जानकारी दी गई कि जबलपुर में फुटबॉल मैदान के निर्माण हेतु ?6 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है तथा भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

चर्चा के दौरान उन्होंने वर्ष 2022-23, 2023-24, 2024-25 एवं 2026-27 में खेल प्रतियोगिताओं, खेल सामग्री तथा स्टेडियमों के रखरखाव के लिए स्वीकृत राशि एवं उसके उपयोग का विषय भी उठाया। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि स्वीकृत बजट का उपयोग पारदर्शिता एवं प्रभावशीलता के साथ खिलाड़ियों के हित में हो तथा प्रत्येक जिले में खेल अधोसंरचना का वास्तविक विकास दिखाई दे। सदन में यह भी मुद्दा उठाया कि प्रदेश के विभिन्न खेल परिसरों एवं स्टेडियमों के रखरखाव की उपेक्षा से खिलाड़ियों का मनोबल प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि पहले से निर्मित खेल परिसंपत्तियों के संरक्षण और नियमित रखरखाव को प्राथमिकता देना सरकार की जिम्मेदारी है, अन्यथा करोड़ों रुपये की सार्वजनिक संपत्ति अनुपयोगी होती जाएगी।

चर्चा के अंत में विधायक ने खेल विभाग में कार्यरत पाँच संविदा कर्मचारियों का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने सदन को अवगत कराया कि वर्ष 2006 से सेवाएँ दे रहे इन कर्मचारियों को आज तक नियमित नहीं किया गया है तथा उन्हें सात माह से वेतन भी प्राप्त नहीं हुआ है।

श्री घनघोरिया ने कहा कि खेलों के विकास का वास्तविक अर्थ केवल बजट आवंटन या घोषणाएँ नहीं, बल्कि खिलाड़ियों को गुणवत्तापूर्ण अधोसंरचना, सुरक्षित खेल परिसर, समय पर संसाधन और सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराना है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि जबलपुर सहित पूरे प्रदेश में खेल सुविधाओं को सुदृढ़ करने, खेल परिसरों के रखरखाव को प्राथमिकता देने तथा खिलाड़ियों के हितों की प्रभावी सुरक्षा के लिए ठोस एवं समयबद्ध कदम उठाए जाएँ।

पेपर लीक के विरोध में छात्रों का उग्र प्रदर्शन, सोनम वांगचुक के आंदोलन को दिया समर्थन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। देशभर में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक घोटालों, छात्रों के भविष्य के साथ हो रहे खिलवाड़ तथा छात्र आंदोलनों पर की जा रही दमनात्मक कार्रवाई के विरोध में संयुक्त संघर्ष समिति के नेतृत्व में मालवीय चौक पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एकत्रित हुए। छात्रों ने मालवीय चौक से विशाल विरोध जुलूस निकालकर केंद्र सरकार की शिक्षा नीतियों के विरुद्ध जोरदार प्रदर्शन किया तथा पूरे मार्ग में गगनभेदी नारों के साथ अपना आक्रोश व्यक्त किया। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने दिल्ली में पर्यावरणविद एवं सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के नेतृत्व में चल रहे जनआंदोलन के प्रति अपना पूर्ण समर्थन व्यक्त करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहे छात्रों एवं नागरिकों की आवाज को बलपूर्वक दबाने का प्रयास अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए तत्काल इस्तीफा देने की मांग की। कार्यक्रम के दौरान संयुक्त संघर्ष समिति के सुबोध रिछारिया , रामरतन यादव, घनश्याम यादव, रुचिरा गुप्ता, नौखे लाल प्रजा ,बैजनाथ कुशवाहा, शिवकुमार चौबे, सचिन गुप्ता, अमित पांडे, इंद्र कुमार कुलस्ते, शिव चौधरी,अशोक यादव, मेहंदी हसन, राजेंद्र गुप्ता, इमाम खान, अनुराग सिंह, मदन शर्मा, महाजन जी, कैलाश यादव, मुन्ना सेन, प्रमोद सेन, राकेश श्रीवास, अनुराग सिंह, अमित मेहता, सीताराम पटेल, अतुल पटेल अरविंद कुशवाहा , धर्मेंद्र कुशवाहा सहित बड़ी हजारों की संख्या में छात्र-छात्राओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं युवाओं ने सहभागिता करते हुए शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और समान अवसर सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।

जिला शालेय जूडो स्पर्धा में लटिल चैम्प स्कूल का शानदार प्रदर्शन 9 खिलाड़ियों ने जीता गोल्ड संभाग स्तर के लिए चयन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जिला शिक्षा अधिकारीए जबलपुर के मार्गदर्शन एवं नर्मदा नर्सरी तथा वल्लभ उच्चतर माध्यमिक विद्यालयए हनुमानताल के संयोजन में आयोजित श्जिला स्तरीय शालेय बालक एवं बालिका ;14ए 17 एवं 19 वर्षद्ध जूडो प्रतियोगिता 2026श् में लिटिल चैम्प सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रतिभावान विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम पूरे जिले में गौरवान्वित किया।

विद्यालय की प्राचार्या शायदा अली ने जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रतिष्ठित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में संस्कारधानी के विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के 275 से अधिक उत्कृष्ट खिलाड़ियों ने भाग लिया था। कड़े मुकाबलोंए तीव्र प्रतिद्वंद्विता और उच्च तकनीकी दांव.पेचों के बीच लिटिल चैम्प सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र.छात्राओं ने अपना दबदबा बनाए रखा और विभिन्न भार वर्गों में प्रथम स्थान ;स्वर्ण पदकद्ध हासिल कर आगामी संभाग स्तरीय जूडो प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान पक्का किया।

लिटिल चैम्प स्कूल के विजेता खिलाड़ियों की सूची

बालक एवं बालिका वर्ग ;14 वर्षद्धरू .32 किग्रा भार वर्ग में इर्तिका कशफ़ए .36 किग्रा भार वर्ग में जोबिया फातिमाए .30 किग्रा भार वर्ग में मोहम्मद शाद नवाज़ प्रथम स्थान ए .35 किग्रा भार वर्ग में अनस मंसूरीए .40 किग्रा भार वर्ग में साकिब अंसारीएआदि विजेता रहे।

बालक एवं बालिका वर्ग ;17 वर्षद्धरू

.60 किग्रा भार वर्ग में अरहान आलमए .44 किग्रा भार वर्ग में अफ़शीन फातिमाए .57 किग्रा भार वर्ग में अक्शा मंसूरीए .63 किग्रा भार वर्ग में सोमिया सिद्दीकी आदि विजेता रहे।

संस्था की प्राचार्या शायदा अली ने खिलाड़ियों की तकनीक और अनुशासन की सराहना करते हुए कहा कि ये सभी प्रतिभावान खिलाड़ी वरिष्ठ जूडो कोच आबिद हुसैन खान के कुशलए कड़े और तकनीकी मार्गदर्शन में निरंतर अभ्यास एवं प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। कोच श्री खान के निरंतर मार्गदर्शनए सही रणनीतियों और खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत का ही परिणाम है कि बच्चों ने जिला स्तर पर इतना शानदार प्रदर्शन किया।

खिलाड़ियों की इस शानदार सफलता पर लिटिल चैम्प सीनियर सेकेंडरी स्कूल के उप.प्राचार्य श्री गौरी शंकर सार एवं समस्त शिक्षकों ने सभी विजेता खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य तथा आगामी संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

निरीक्षण के दौरान हनुमानताल,अधारताल एवं सुपाताल के पुनरोद्धार कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

निगमायुक्त ने किया शहर के प्रमुख तालाबों और वर्षा जल निकासी व्यवस्था को देखने सघन दौरा

बारिश के बीच सड़कों पर उतरे निगमायुक्त, शहर की वर्षा जल निकासी व्यवस्था का लिया जायजा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में नगर निगम द्वारा जल संरक्षण की दिशा में तेजी से कार्य किये जा रहे हैं, जिसके परिणाम भी अब दिखने लगे हैं। इसके साथ-साथ शहर में अन्य विकास कार्यो को भी तेजगति से कराया जा रहा है। इसी तारतम्य में निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने आज शहर के पारंपरिक जल स्त्रोतों के संरक्षण तथा मानसून के दौरान नागरिकों की सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए शहर का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नगर के तीन प्रमुख तालाबों हनुमानताल, अधारताल एवं सूपाताल का स्थल निरीक्षण कर वहां चल रहे पुनरोद्धार व सुंदरीकरण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। निगमायुक्त ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्यों की गुणवत्ता से समझौता किए बिना इन्हें तीव्र गति से पूर्ण किया जाए।

तालाबों का कायाकल्प और पर्यावरण संरक्षण सर्वोपरि

निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त श्री अहिरवार ने कहा कि हनुमानताल, अधारताल और सूपाताल शहर की अमूल्य जल धरोहरें हैं। इनके संरक्षण हेतु निम्नलिखित आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

वर्षा जल निकासी व्यवस्था की जमीनी हकीकत जानी

तालाबों के निरीक्षण के उपरांत, बारिश के दौरान ही निगमायुक्त श्री अहिरवार ने शहर के विभिन्न जलभराव वाले संवेदनशील क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने मुख्य मार्गों एवं बस्तियों से वर्षा जल की निकासी की व्यवस्था का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

उन्होंने कहा कि वर्षाकाल के दौरान शहर के किसी भी हिस्से में जल-प्लावन की स्थिति निर्मित नहीं होनी चाहिए। जल निकासी व्यवस्था को 24 घंटे सुचारू रखने के लिए नियंत्रण कक्ष और मैदानी अमला को पूरी तरह मुस्तैद रहने के निर्देश दिए।गौरतलब है कि महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के द्वारा तीन माह पूर्व से ही नाला-नालियों एवं कंजरवेंसियों की बेहतर सफाई कराई गयी जिसके कारण वर्षा जल निकासी की व्यवस्था सुगम हुई है और जलभराव की शिकायतें नहीं हैं।

राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से मिले भारतीय वन सेवा के प्रशिक्षु अधिकारी, जबलपुर के जिज्ञासु अग्रवाल भी बैच के साथ रहे उपस्थित

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में आयोजित एक गरिमामय कार्यक्रम में माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा भारतीय वन सेवा (ढ्ढस्नस्) के 2024 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित किया गया। इस अवसर पर जबलपुर निवासी एवं भारतीय वन सेवा के प्रशिक्षु अधिकारी श्री जिज्ञासु अग्रवाल ने भी अपने बैच के अन्य अधिकारियों के साथ इस कार्यक्रम में सहभागिता की, जो शहर के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण रहा।

श्री जिज्ञासु अग्रवाल, जबलपुर के सेवानिवृत्त प्राध्यापक एवं निर्वाचन विभाग की स्वीप शाखा के जिला स्तरीय ईएलसी (श्वद्यद्गष्ह्लशह्म्ड्डद्य स्ढ्ढह्लद्गह्म्ड्डष्4 ष्टद्यह्वड्ढ) सदस्य श्री प्रहलाद अग्रवाल के सुपुत्र हैं। उल्लेखनीय है कि भारतीय वन सेवा (ढ्ढस्नस्), भारतीय प्रशासनिक सेवा (ढ्ढस्) और भारतीय पुलिस सेवा (ढ्ढक्कस्) के साथ देश की तीन अखिल भारतीय सेवाओं (्रद्यद्य ढ्ठठ्ठस्रद्बड्ड स्द्गह्1द्बष्द्गह्य) में से एक है। श्री अग्रवाल वर्तमान में देहरादून स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी (ढ्ढत्रहृस्न्र) में अपना प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

ज्ञात हो कि भारतीय वन सेवा में चयनित होने के उपरांत जिला स्वीप समन्वयक डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव की पहल पर कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में श्री जिज्ञासु अग्रवाल का सम्मान किया गया था। उस अवसर पर तत्कालीन मुख्य कार्यपालन अधिकारी (ष्टश्वह्र), जिला पंचायत श्रीमती जयति सिंह (ढ्ढस्) ने जिले के ईएलसी कैंपस एंबेसडर्स की उपस्थिति में इस सफलता को युवाओं के लिए प्रेरणादायी बताया था और श्री प्रहलाद अग्रवाल के स्वीप एवं ईएलसी गतिविधियों में वर्षों के योगदान की सराहना की थी।

संपूर्ण बैच के साथ राष्ट्रपति भवन में श्री जिज्ञासु अग्रवाल की उपस्थिति पर हर्ष व्यक्त करते हुए जिला स्वीप समन्वयक डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव ने कहा कि उनकी यह यात्रा जिले के समस्त ईएलसी कैंपस एंबेसडर्स एवं युवाओं के लिए प्रेरणास्पद है। उन्होंने कहा कि लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर निरंतर प्रयास करने से युवा देश और समाज के निर्माण में सकारात्मक योगदान दे सकते हैं।

डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव ने श्री जिज्ञासु अग्रवाल के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे भारतीय वन सेवा के एक संवेदनशील एवं कर्मनिष्ठ अधिकारी के रूप में देश की प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण में अपना सार्थक योगदान देंगे।

पुनर्विकास कार्य की अवधि को बढ़ाते हुए कोटा जंक्शन पर 6 दिनों तक और रेल संचालन प्रभावित रहेगा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। पश्चिम मध्य रेल के कोटा जंक्शन में प्लेटफॉर्म नंबर-4 के पुनर्विकास कार्य हेतु रेल प्रशासन द्वारा पूर्व में 18 जुलाई तक लिया गया 15 दिवसीय ब्लॉक को अब 6 दिन के लिए बढ़ाकर 24 जुलाई 2026 तक कर दिया गया है। इस दौरान पूर्व जारी अधिसूचना के अनुसार प्लेटफॉर्म नंबर-4 से संचालित होने वाली गाड़ियों के प्लेटफॉर्म में परिवर्तन, कुछ गाड़ियों का मार्ग परिवर्तित तथा कुछ गाड़ियों का आंशिक संचालन सोगरिया स्टेशन से संबंधित परिचालनिक व्यवस्थाएं अब 24 जुलाई 2026 तक प्रभावी रहेंगी। कोटा स्टेशन पर अन्य सभी प्लेटफॉर्म से रेल सेवाओं का संचालन सामान्य रूप से जारी रहेगा।

ब्लॉक अवधि में परिचालनिक व्यवस्थाओं के कारण कुछ गाड़ियों के आगमन एवं प्रस्थान में अतिरिक्त समय लग सकता है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे स्टेशन पर समय से पूर्व पहुंचें। प्रभावित गाड़ियों का विवरण निम्नानुसार है-

24 जुलाई तक प्लेटफॉर्म परिवर्तित रेलगाड़ियाँ-

प्लेटफॉर्म नंबर-4 से संचालित होने वाली गाड़ी संख्या 19811 कोटा-इटावा एक्सप्रेस, 19814 सिरसा-कोटा एक्सप्रेस, 19808 सिरसा-कोटा एक्सप्रेस, 12181/12182 जबलपुर-अजमेर-जबलपुर दयोदय एक्सप्रेस, 61613 घाटोली-कोटा मेमू ट्रेन, 11603 कोटा-बीना मेमू ट्रेन, 22982 श्रीगंगानगर-कोटा एक्सप्रेस, 13237/13238 पटना-कोटा-पटना एक्सप्रेस एवं 13239/13240 पटना-कोटा-पटना एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन प्लेटफॉर्म नंबर-3 से तथा गाड़ी संख्या 12060 हज़रत निज़ामुद्दीन-कोटा जनशताब्दी एक्सप्रेस का संचालन प्लेटफॉर्म नंबर-2 से किया जाएगा। परिचालनिक आवश्यकता के अनुसार कुछ गाड़ियों के प्लेटफॉर्म में आवश्यकतानुसार परिवर्तन भी किया जा सकता है। 24 जुलाई तक परिवर्तित मार्ग से संचालित रेलगाड़ियाँ- इन गाड़ियों का संचालन कोटा जंक्शन के स्थान पर गुड़ला-कोटा चंबल केबिन-सोगरिया मार्ग से किया जाएगा। गाड़ी संख्या 14814 भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस सोगरिया (आगमन 02:10 बजे, प्रस्थान 02:20 बजे)-कोटा चंबल केबिन-गुड़ला होकर संचालित होगी तथा कोटा जंक्शन नहीं आएगी। गाड़ी संख्या 14813 जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस गुड़ला-कोटा चंबल केबिन-सोगरिया (आगमन 23:30 बजे, प्रस्थान 23:40 बजे) होकर संचालित होगी तथा कोटा जंक्शन नहीं आएगी।

24 जुलाई तक सोगरिया स्टेशन पर समापन करने वाली गाड़ियाँ-

* गाड़ी संख्या 19812 इटावा-कोटा एक्सप्रेस 23 जुलाई तक कोटा जंक्शन के स्थान पर सोगरिया स्टेशन पर ही समाप्त होगी।* गाड़ी संख्या 22984 इंदौर-कोटा सुपरफास्ट एक्सप्रेस सोगरिया स्टेशन पर ही समाप्त होगी।

* गाड़ी संख्या 61634 बीना-कोटा मेमू सोगरिया स्टेशन पर ही समाप्त होगी।

24 जुलाई तक सोगरिया स्टेशन से प्रारंभ होने वाली गाड़ी- गाड़ी संख्या 61633 कोटा-बीना मेमू कोटा जंक्शन के स्थान पर सोगरिया स्टेशन से 15:20 बजे प्रस्थान करेगी। यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व अपनी गाड़ी के प्लेटफॉर्म, समय एवं परिचालन संबंधी नवीनतम जानकारी एनटीईएस ऐप, स्टेशन के डिस्प्ले बोर्ड अथवा पूछताछ काउंटर से अवश्य प्राप्त करें तथा निर्धारित समय से पहले स्टेशन पहुंचें।

भोपाल - उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार उच्च शिक्षा संस्थानों को आधुनिक अधोसंरचना, अनुसंधान संसाधनों और गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक सुविधाओं से सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। शिक्षा के मंदिर श्रेष्ठ नागरिक निर्माण का सशक्त उपक्रम हैं। शिक्षा का उद्देश्य ज्ञानार्जन के साथ चरित्र, संस्कार, कर्तव्यबोध, आत्मविश्वास और राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत नागरिकों का निर्माण करना है। विकसित भारत@2047 का संकल्प तभी साकार होगा, जब हमारी युवा शक्ति, भारतीय दृष्टि पर आधारित ज्ञान, कौशल, अनुसंधान, नवाचार एवं जीवन मूल्यों के साथ राष्ट्र निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाएगी।

महर्षि सांदीपनि के जीवन चरित्र एवं योगदान पर लघु पुस्तिका प्रकाशित करने के दिए निर्देश-मुख्यमंत्री ने की गुरु पूर्णिमा महोत्सव आयोजन की तैयारियों की समीक्षा

गुरु पूर्णिमा पर प्रदेश में मनाया जाएगा महर्षि सांदीपनि श्रद्धा पर्व - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

गुरु पूर्णिमा से पहले ही कराए सभी सांदीपनि विद्यालयों का लोकार्पण

भोपाल-(आरएनएस) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गुरुजन सदैव पूजनीय है, वंदनीय हैं। गुरु ही हमें %गु% (अज्ञान के अंधकार) से %रु% (ज्ञान-विज्ञान की रश्मि/प्रकाश) की ओर ले जाते हैं। गुरु पूर्णिमा अपने गुरुजनों की सेवा, वंदना और उनका आशीर्वाद पाने का प्रमुख उत्सव है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के उद्देश्यों को बढ़ावा देते हुए पुरातन भारतीय ज्ञान परम्परा तथा भारतीय गुरु-शिष्य परम्परा के आदर्शों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आने वाली गुरु पूर्णिमा पर प्रदेशव्यापी %महर्षि सांदीपनि श्रृद्धा पर्व% का आयोजन किया जाये। इसमें स्कूल शिक्षा, जनजातीय कार्य, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा विभाग के साथ-साथ निजी शिक्षण संस्थानों तथा खेल, नाटक, चित्रकला, संगीत एवं अन्य कला संस्थानों की भी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवारको मध्यप्रदेश विधानसभा के समिति कक्ष क्रमांक-1 में आगामी गुरु पूर्णिमा महोत्सव के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अभी प्रदेश में गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा चल रहा है। प्रदेश में जितने भी सांदीपनि विद्यालयों का लोकार्पण होना शेष है, उनका लोकार्पण गुरु पूर्णिमा से पहले करा लिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि महर्षि सांदीपनि योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण के गुरु थे। उन्होंने तत्समय अमीर और गरीब सभी छात्रों को विद्या दान देकर राष्ट्र भक्ति का परिचय दिया। वहीं देश में गुरुकुल शिक्षा पद्धति को व्यवस्थित करने में प्रभावी योगदान दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि महर्षि सांदीपनि के जीवन चरित्र एवं गुरुकुल शिक्षा पद्धति के प्रसार में उनके वैशिष्ट्य और योगदान पर केंद्रित एक लघु पुस्तिका का प्रकाशन करायें और सभी विद्यालयों में वितरित करायें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस?थाओं में गुरू-पूजन आयोजन किया जाये। इसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाये। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष विद्यालयों में मनाये जाने वाले मित्रता दिवस पर श्रीकृष्ण-सुदामा के जीवन चरित्र के बारे में बताया जाये।

गुरू पूर्णिमा को जनभागीदारी का उत्सव बनाये

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरु पूर्णिमा %महर्षि सांदीपनि श्रद्धा पर्व% को जनभागीदारी का उत्सव बनाया जाए, जिससे विद्यार्थियों और युवाओं में अपने गुरुजनों के प्रति सम्मान और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति आस्था सुदृढ़ हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शासकीय विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के साथ-साथ निजी विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों को भी इस आयोजन से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा को सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक जन-आंदोलन का स्वरूप दिया जाए, ताकि गुरु-शिष्य परम्परा का संदेश समाज के प्रत्येक वर्ग तक प्रभावी ढंग से पहुंचे और इसे नई पीढ़ी तक सशक्त रूप से पहुंचाया जा सके। बैठक में आयोजन की रूपरेखा, कार्यक्रमों के स्वरूप तथा विभिन्न विभागों की जिम्मेदारियों पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ।

अपर मुख्य सचिव, सामान्य प्रशासन, संस्कृति एवं धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व श्री शिवशेखर शुक्ला ने बताया कि गुरु पूर्णिमा (29 जुलाई) के दिन शैक्षणिक संस्थाओं में होने वाले कार्यक्रमों में सर्वप्रथम मां सरस्वती की प्रतिमा/चित्र पर माल्यार्पण, सरस्वती वंदना, गुरुजनों का स्वागत-सत्कार-सम्मान, व्याख्यान/उद्बोधन, छात्र-शिक्षक संवाद, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित की जायेंगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी शैक्षणिक संस?थान विद्यालय, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय में विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के लिए दिशा निर्देश जारी किए जा रहे हैं। सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश?वविद्यालयों में साहित?यिक एवं सांस?कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों द्वारा ही किए जायें, ऐसे निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि गुरु पूर्णिमा और महर्षि सांदीपनि श्रद्धा पर्व के आयोजन से समाज की भी सक्रिय सहभागिता के प्रयास किए जा रहे हैं।

बैठक में जनजातीय कार्य, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुर्नवास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, उच्च शिक्षा, आयुष एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार, कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री अशोक वर्णवाल, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन, सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. संजय गोयल, मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार श्री श्रीराम तिवारी, संचालक संस्कृति श्री एन.पी. नामदेव सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

पी एम श्री विद्यालय में वार्षिक पत्रिका का विमोचन,42 छात्राओं को भी मिली साइकिल

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। बरेला, पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरेला में छात्राओं का उत्साह उपलब्धि और सपनों को नई उड़ान देने के लिए साइकिल वितरण एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पनागर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री सुशील तिवारी जी रहे उन्होंने विद्यालय की 42 पात्र छात्राओं को साइकिल वितरण कर उन्हें शिक्षा की राह में आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया एवं वार्षिक पत्रिका का विमोचन, उत्कृष्ट प्रतिभावान बालिकाओं का सम्मान समारोह में कक्षा 12वीं के सर्वोच्च छात्राओं का सम्मान करने में राज्य स्थित प्रदर्शन के लिए विभिन्न प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभाभान छात्राओं को विधायक जी ने पुरस्कार प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया

इस दौरान विधायक ने एक अनुकरणीय पहल करते हुए विद्यालय में अध्यनरत दसवीं कक्षा की टॉपर छात्रा निकिता नामदेव के सम्पूर्ण शिक्षा में आने वाले पूरे खर्च उठाने की घोषणा की एवं प्रथम आने वाली एवं स्वच्छता,अनुशासन में रहने वाली बच्चियों को पांच पांच हजार की पुरस्कार राशि की घोषणा भी की गई इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के प्राचार्य आशीष पंड्या ने की विशिष्ट अतिथियों के रूप में नगर परिषद अध्यक्ष प्रतीक दुबे, रानी दुर्गावती विद्यालय गढ़ा प्राचार्य एस एन श्रीवास्तव, सांदीपनि विद्यालय बरेला प्राचार्य डी के गुप्ता, मंडल अध्यक्ष अर्पित जैन, चंदन पटेल, मुनि विश्वकर्मा, अतीक बर्मन, इस भाव आयोजन को सफल बनाने में रजनीश पांडे मंजुला मालिक और हेमलता राजोरिया का सराहनीय योगदान रहा वही नीलमा श्रीवास्तव एवं सुनीता शुक्ला ने पात्र छात्राओं का चयन अभिलेखों में सत्यापन और वितरण व्यवस्था की अहम जिम्मेदारी निभाई इस अवसर पर शाला की वरिष्ट शिक्षिका शशि लोधी, अंजना डिमोले, दीपा तिवारी,अर्चना गोप, शिवांगी गुप्ता ,सोनाली ठाकुर, पंजी डेनियल श्रीमती अरुणा रावतेल,रचना मेहरा, स्वाति मुखर्जी, प्रीति,इंदु झरिया,के साथ नगर के गणमान्य व्यक्तियों के साथ छात्राओं के अभिभावक माता-पिता एवं शाला परिवार के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं शामिल रहे

समारोह का प्रमुख आकर्षण विद्यालय की वार्षिक पत्रिका ,उदिता के द्वितीय संस्करण का लोकार्पण रहा जिसका रचनात्मक संपादन डॉक्टर शुभम जैन द्वारा किया गया कार्यक्रम का कुशल मंचसंचालन श्रीमती मनीषा कश्यप एवं आशुतोष बाजपेई ने किया अंत में शाला के वरिष्ठ शिक्षक सतीश कुमार चौबे सभी के प्रति आभार व्यक्त किया

एकता नगर में अवैध रेत का भंडार, जिम्मेदारों की चुप्पी पर उठे सवाल

बरसात में ऊंचे दाम वसूलने की तैयारी! अवैध स्टॉक से शासन को राजस्व का नुकसान, कार्रवाई की मांग

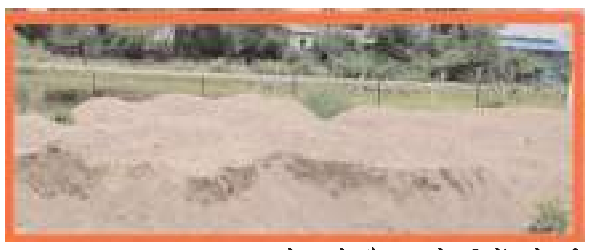

गोटेगांव प्रतिनिधि-नगर की एकता नगर कॉलोनी में बड़ी मात्रा में अवैध रूप से रेत का भंडारण किए जाने का मामला सामने आया है। कॉलोनी में खुलेआम जमा की गई रेत के इस स्टॉक को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि बरसात के मौसम में नदी-नालों से रेत का उत्खनन प्रभावित होने के कारण इसकी मांग बढ़ जाती है। ऐसे में पहले से अवैध रूप से जमा की गई रेत को ऊंचे दामों पर बेचकर मोटा मुनाफा कमाने की तैयारी की जा रही है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि बिना किसी वैध अनुमति के लंबे समय से रेत का भंडारण किया गया है, लेकिन संबंधित विभाग अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं कर सका है। इससे यह सवाल उठ रहे हैं कि आखिर किसके संरक्षण में यह अवैध कारोबार संचालित हो रहा है।

जानकारों का कहना है कि अवैध रेत भंडारण से शासन को राजस्व की हानि होती है, वहीं नियमों का पालन करने वाले वैध कारोबारियों को भी नुकसान उठाना पड़ता है। यदि समय रहते जांच कर कार्रवाई नहीं की गई तो बरसात के दौरान यही अवैध स्टॉक मनमाने दामों पर बेचा जाएगा, जिसका सीधा आर्थिक बोझ आम लोगों पर पड़ेगा।

नगरवासियों ने जिला प्रशासन, खनिज विभाग और स्थानीय प्रशासन से मांग की है कि एकता नगर कॉलोनी में जमा रेत के स्टॉक की तत्काल जांच कराई जाए। यदि भंडारण अवैध पाया जाता है तो संबंधित लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए रेत जब्त की जाए, ताकि अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

घुसपैठियों को देश से बाहर करने की मांग

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। देश की सीमाओं की सुरक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा केवल सुरक्षा बलों की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि यह पूरे राष्ट्र की सामूहिक जिम्मेदारी है यदि कोई व्यक्ति संगठन या ग्रुप, संगठन विदेशी नागरिकों की घुसपैठ में सहयोग करता है उन्हें फर्जी दस्तावेज उपलब्ध कराता है या उनके रहने, बसने की व्यवस्था करता है तो यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करता है राष्ट्रीय सुरक्षा ,शांति के लिए देश के अंदर आ पहुंचे घुसपैठियों की कुछ लोग मदद करते हैं यह चिंता का विषय है यह बात अल्पसंख्यक कांग्रेस परिवार के वरिष्ठ नेता सरदार दलवीर सिंह जस्सल,सुमन कुमार जैन ने जारी एक संयुक्त बयान में व्यक्त करते हुए कहा की जो संस्था और व्यक्ति विदेशी धन फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से अवैध गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं उनके खिलाफ सख्त से सख्त कड़ी कार्यवाही की जाए आगे कहा कि किसी भी संदिग्ध नागरिक या गतिविधियों में संलग्न लोगों के खिलाफ गहन जांच की जाए और वह दोषी सिद्ध होते हैं तो उनके विरुद्ध कठोर से कठोर कार्रवाई की जाए ताकि अवैध घुसपैठ रुक सके ।अवैध घुसपैठ का मुद्दा केवल कानून व्यवस्था का नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा संसाधनों के प्रबंधन और सामाजिक संतुलन से जुड़ा हुआ है प्रत्येक देशवासी को सरकार की मदद करनी चाहिए देश के लिए खतरा बने ऐसे लोगों को तभी बाहर खदेड़ा जा सकेगा जब देश के अंदर रह रहे इनके मददगारों पर प्रहार होगा दूसरी तरफ सीमा प्रबंधन को मजबूत करना होगा पहचान संबंधी दस्तावेजों की पारदर्शी जांच सुनिश्चित करना और अवैध नेटवर्क पर प्रभावी अंकुश लगाना समय के साथ-साथ देश की सुरक्षा के लिए महती आवश्यकता है इसके लिए हमें अपनी सुरक्षा एजेंसी को सतर्क व मजबूत बनाना होगा तभी घुसपैठियों पर और उनके मददगारों पर प्रभावी रोक लगाई जा सकेगी राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए अल्पसंख्यक कांग्रेस परिवार के वरिष्ठ नेताओं ने केंद्र सरकार से सीमा सुरक्षा और अवैध घोषित रोकने घुसपैठियों को देश से बाहर खदड़ने रहने के लिए जल्द कारगर कदम उठाए जाने की मांग जनहित में की है

आंधी-तूफान भी नहीं तोड़ पाए भरोसा

रीवा की 6 ट्रांसमिशन लाइनें बनी मिसाल-1500 दिन का सफर- शून्य ब्रेकडाउन

रीवा ।(आरएनएस) प्रदेश शासन के उपक्रम मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) की रीवा स्थित 6 महत्वपूर्ण एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज (ईएचवी) ट्रांसमिशन लाइनों ने विगत चार वर्षों यानी लगभग 1500 दिनों से बिना किसी ब्रेकडाउन के निर्बाध विद्युत पारेषण कर अभूतपूर्व कीर्तिमान स्थापित किया है। आंधी-तूफान, तेज बारिश, आकाशीय बिजली जैसी प्राकृतिक चुनौतियों और अन्य अप्रत्याशित परिस्थितियों के बावजूद इन लाइनों का सतत एवं विश्वसनीय संचालन जारी है।

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि रीवा की इन 6 लाइनों सहित प्रदेशभर में एमपी ट्रांसको की कुल 593 ईएचवी ट्रांसमिशन लाइनें भी बीते चार

वर्षों से बिना किसी ब्रेकडाउन के सफलतापूर्वक संचालित होकर प्रदेश की विद्युत पारेषण व्यवस्था की मजबूती और विश्वसनीयता को प्रमाणित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि कंपनी के अभियंताओं, तकनीकी कर्मचारियों तथा अनुरक्षण कार्य में जुटे आउटसोर्स कर्मियों की प्रतिबद्धता, दक्षता और समर्पण का परिणाम है।

रीवा मे ये लाइनें बनी भरोसे की मिसाल-

रीवा क्षेत्र की जिन ट्रांसमिशन लाइनों ने यह उपलब्धि हासिल की है, उनमें 220 केवी वोल्टेज लेवल की दो एवं 132 केवी वोल्टेज लेवल की चार ट्रांसमिशन लाइन शामिल है। इनमें 220 केवी रीवा - सिरमौर, 220 केवी रीवा टोंस हाइडल पावर स्टेशन की लाइनों के अलावा सन् 2002 में निर्माणाधीन 132 केवी रीवा सिल्परा बाणसागर लाइन के दो सर्किट,

एवं सन् 1999 की बनी रीवा जे पी सीमेंट व 132 के वी रीवा रेलवे ट्रैक्सन फीडर की लाइन शामिल है।

तकनीक और निगरानी ने बनाया नेटवर्क को अभेद्य-

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि प्रदेश के ट्रांसमिशन नेटवर्क को अधिक सुरक्षित, विश्वसनीय एवं निर्बाध बनाए रखने के लिए थर्मो-विजन निरीक्षण, ड्रोन सर्विलांस, एससीएडीए आधारित रियल-टाइम मॉनिटरिंग, ऑनलाइन कंडीशन मॉनिटरिंग तथा समयबद्ध निवारक अनुरक्षण जैसी आधुनिक तकनीकों का व्यापक उपयोग किया जा रहा है। नियमित लाइन पेट्रोलिंग, प्री-मानसून मेंटेनेंस, लाइन कॉरिडोर प्रबंधन, पेड़ों की कटाई-छंटाई तथा उपकरणों की सतत निगरानी के माध्यम से संभावित तकनीकी खामियों की समय रहते पहचान कर उनका निराकरण किया गया, जिससे ब्रेकडाउन की आशंकाओं को प्रभावी ढंग से रोका जा सका और ट्रांसमिशन लाइनों की विश्वसनीयता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

यह मंजूरी ऐसे समय में मिली है, जब पिछले दो दशकों में भारत में डेंगू के दर्ज मामलों में 11 गुना वृद्धि हुई है

भारत में मंजूरी पाने वाली डेंगू की पहली वैक्सीन बनीटाकेडा की क्यूडेंगा

नई दिल्ली- (आरएनएस) टाकेडा बायोफार्मास्युटिकल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने आज घोषणा की कि भारत के ड्रग कंट्रोलर जनरल (डीसीजीआई) ने न्यू ड्रग्स एंड क्लीनिकल ट्रायल्स (एनडीसीटी) नियम, 2019 के सीटी-20 प्रावधान के अंतर्गत 4 से 60 वर्ष आयु के लोगों में डेंगू की रोकथाम के लिए कंपनी की डेंगू वैक्सीन क्यूडेंगा को बाजार में उतारने की मंजूरी (मार्केट ऑथराइजेशन) प्रदान कर दी है। क्यूडेंगा भारत में मंजूरी पाने वाली पहली डेंगू वैक्सीन है। पहले डेंगू संक्रमण हो चुका हो या नहीं, दोनों ही परिस्थितियों में इसे लगाया जा सकता है और इसके लिए टीकाकरण से पहले किसी जांच की आवश्यकता नहीं होती। भारत में डेंगू अब भी एक बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बना हुआ है और क्यूडेंगा को मिली यह मंजूरी भारत में डेंगू की रोकथाम को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। डेंगू मच्छरों के

डेंगू की रोकथाम के मामले में एक नए युग की शुरुआत

जरिये फैलने वाला एक वायरल रोग है, जो दुनिया के 125 से अधिक देशों में सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है। वैश्विक स्तर पर डेंगू के कुल मामलों का लगभग एक-तिहाई हिस्सा अकेले भारत में है। वर्ष 2025 में भारत में डेंगू के 1.13 लाख से अधिक मामले दर्ज किए गए थे, हालांकि मॉडलिंग स्टडीज से संकेत मिलता है कि वास्तविक संक्रमणों की संख्या दर्ज मामलों से कहीं अधिक है और हर वर्ष संभवत: करोड़ों लोग इससे संक्रमित हो जाते हैं। इंटरकॉन्टिनेंटल मार्केट्स के प्रमुख डॉ. महेंद्र नायकने कहा,डेंगू एक सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती है, जो लगातार बढ़ती जा रही है और भारत को इससे निपटने के लिए रोकथाम की वैज्ञानिक प्रमाणों पर आधारितऔर दीर्घकालिक रणनीति की आवश्यकता है। क्यूडेंगा के सात वर्षों के नवीनतम आंकड़े बताते हैं कि यह वैक्सीन डेंगू संक्रमण और डेंगू के कारण अस्पताल में भर्ती होने के जोखिम से लगातार सुरक्षा प्रदान करती है और यह डेंगू के सभी चारों वायरस सीरोटाइप पर प्रभावी है। यह समाज और स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। 2022 में लॉन्चिंग के बाद से क्यूडेंगा को 43 देशों में मंजूरी मिल चुकी है और दुनियाभर में इसकी 3.2 करोड़ से अधिक डोज वितरित की जा चुकी हैं। भारत में मिली यह मंजूरी डेंगू की रोकथाम को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है। अपनी 245 वर्षों की विरासत और वैक्सीन के विकास में 70 वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ टाकेडा सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राधिकरणों, हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स और अन्य साझेदारों के साथ मिलकर इस वैक्सीन की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत में हर वर्ष लाखों लोगों पर डेंगू का खतरा रहता है। देश के अनेक हिस्सों में डेंगू का व्यापक प्रसार (एंडेमिक), तेजी से हो रहा शहरीकरण और मच्छरों की संख्या बढ़ाने में मददगार जलवायु संबंधी कारक इस खतरे के प्रमुख कारण हैं। यही वजह है कि डेंगू अब केवल मौसमी बीमारी नहीं है, बल्कि इसका संक्रमण सालभर सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए चुनौती बना रहता है। किसी मौसम में संक्रमण के मामले अचानक बढ़ने से स्वास्थ्य सेवाओं पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। डेंगू का इलाज भी जटिल है, क्योंकि इसके लिए कोई विशेष दवा उपलब्ध नहीं है। कई मामलों में इसका संक्रमण तेजी से गंभीर और जानलेवा रूप ले लेता है, जिससे मरीज को अस्पताल में भर्ती करने और आईसीयू में रखने की जरूरत पड़ जाती है। साउथईस्ट एशिया एंड इंडिया क्लस्टर के जनरल मैनेजर पीटर स्ट्राइबलने कहा,डेंगू सिर्फ किसी एक देश की समस्या नहीं है,

बारिश पर भारी पड़ी अकीदत- मशीन वाले बाबा साहब के उर्स में उमड़ा जन सैलाब

तालिब हुसैन

जबलपुर.कभी थम कर कभी जमकर बारिश और बूंदा बांदी के बीच पचास हजार से ज्यादा लोगों की भीड़. जिनमें हर धर्म के महिला, पुरूष, युवा व बच्चे अकीदत के रंग में डूबे नज़र आए. मौका था आधी सदी तक पीड़ित मानवता की सेवा करने वाले, सदी के नायाब वली, सदरूल आलाम, आशिके हजरत हुसैन, नामवर वली हज़रत बाबा सआदत हुसैन नक्शबंदी मशीन वाले बाबा साहब के 30वें सालाना उर्स का. घण्टाघर स्थित दरगाह शरीफ में सारी रात ज़ायरीनो का जमावड़ा रहा. ख़ादिमे दरगाह हाजी मुहम्मद शफ़ी, हाजी मुहम्मद रफ़ीक और हाजी मुहम्मद अनवर ने बताया कि मुल्क के कई शहरों से आए अकीदतमंदों ने दरगाह शरीफ में हाजिरी दी और परिवार, समाज व देश की खुशहाली के लिए खास तौर से दुआएं मांगी. मौसम की बेरूखी के बावजूद करीब एक किलो मीटर क्षेत्र ज़ायरीनो से गुलज़ार रहा. थोड़ी

थोड़ी देर में विभिन्न क्षेत्रों से चादर जुलूस दरगाह शरीफ पहुँचते रहे. जिससे माहौल पूरी तरह रूहानी रहा. दरगाह शरीफ में और आस पास की गयी शानदार विधुत साज सज्जा लोगों के आकर्षण का केंद्र रही. बाबा साहब आज भी जिंदा हैं- देश के कई शहरों से परिवार सहित आए ज़ायरीनो ने कहा भले ही बाबा साहब दुनिया को अलविदा कह चुके हैं लेकिन तीस साल बाद में हम उन्हें अपने बीच मेहसूस करते हैं. क्योंकि बाबा साहब की दुआओं से आज भी हमारी मुरादें पूरी हो रहीं हैं. हमारा यकीन है कि आप आज भी जिंदा हैं.

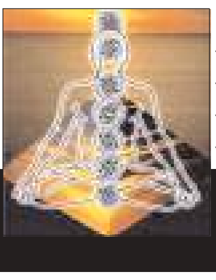

हिंदू धर्म में मां गायत्री को वेदों की जननी, ज्ञान और पवित्रता की देवी माना जाता है। मां गायत्री को वेदों की माता, देवमाता और विश्वमाता के रूप में भी जाना जाता है। मां गायत्री को पांच मुख वाली देवी के रूप में दर्शाया गया है। उनके यह पांच मुख पंचतत्वों का प्रतीक है। मां गायत्री की पूजा करने से व्यक्ति को समृद्धि, ज्ञान और मोक्ष की प्राप्ति होती है। बता दें कि यदि कोई जातक की कोई मनोकामना है, तो उसको पूरा करने के लिए रोजाना गायत्री चालीसा का पाठ करना चाहिए।

अब इम्तहान राज्य एवं केंद्र सरकारों का

अब इम्तहान राज्य एवं केंद्र सरकारों का है। क्या वे साबित करेंगी कि अनुबंधों में शामिल शर्तों का कुछ अर्थ होता है? अथवा, ऐसी शर्तों को ठेंगे पर रखने की प्रवृत्ति बढ़ाने में वे सहायक बनेंगी? केरल के विझिंजम इंटरनेशनल पोर्ट को लेकर उठा विवाद इस बात की मिसाल है कि भारत में एकाधिकारी पूंजीपति अब किस हद तक राजसत्ता को अपनी मुट्ठी में मानने लगे हैं। घटनाक्रम अपने-आप में सारी कहानी बता देता है। विझिंजम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह का निर्माण अडानी समूह ने किया। कुछ रोज पहले खबर आई कि इस ग्रुप ने इस बंदरगाह में अपनी 49 प्रतिशत हिस्सेदारी (लगभग 12,000 करोड़ रुपये में) स्विट्जरलैंड की मेडिटेरिनियन शिपिंग कंपनी को बेच दी है। इस पर केरल के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन ने अचरज जताया। कहा कि अडानी समूह ने राज्य सरकार को बिना सूचित किए इस बड़े सौदे की सार्वजनिक घोषणा कर दी है। जबकि अडानी समूह को परियोजना का निर्माण कार्य इस शर्त पर सौंपा गया था कि 25 प्रतिशत या उससे अधिक हिस्सेदारी बेचने के लिए उसे राज्य सरकार की पूर्व अनुमति लेनी होगी। गौरतलब है कि बंदरगाह का स्वामित्व सरकार के पास है। केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन (जिनके कार्यकाल में बंदरगाह बना) ने भी पुष्टि की है कि अनुबंध में उपरोक्त शर्त शामिल है। केरल सरकार का कहना है कि विझिंजम एक रणनीतिक बंदरगाह है। एक ही विदेशी शिपिंग कंपनी को इतनी बड़ी हिस्सेदारी देने से प्रतिस्पर्धा खत्म होने का खतरा है। इससे सुरक्षा संबंधी पहलू भी जुड़े हैं। अत: इतनी बड़ी हिस्सेदारी बेचने से पहले केंद्रीय गृह मंत्रालय एवं जहाजरानी मंत्रालय से सुरक्षा मंजूरी लेना भी आवश्यक है। इस मुद्दे पर विवाद बढ़ने के बाद बंदरगाह निर्माता कंपनी- अडानी पोर्ट्स ने दावा किया कि अनुबंध से संबंधित किसी नियम का उल्लंघन नहीं हुआ है।

संसद का मानसून सत्र: हंगामे नहीं, समाधान का संकल्प बने

भारतीय लोकतंत्र का सबसे बड़ा बल उसकी संसद है। यही वह मंच है जहां देश की आकांक्षाएं, समस्याएं और भविष्य की दिशा तय होती है। संसद केवल कानून बनाने का स्थान नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विमर्श, जवाबदेही और जनभावनाओं की अभिव्यक्ति का सर्वोच्च मंच है। ऐसे में 20 जुलाई से प्रारंभ हो रहा संसद का मानसून सत्र केवल एक संसदीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र की परिपक्वता की नई परीक्षा भी है। देश की जनता की अपेक्षा है कि यह सत्र शोर-शराबे, आरोप-प्रत्यारोप और गतिरोध का नहीं, बल्कि सार्थक संवाद, गंभीर बहस और ठोस निर्णयों का सत्र बने। दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में संसद के दृश्य लोकतांत्रिक गरिमा की अपेक्षा राजनीतिक टकराव के प्रतीक अधिक दिखाई दिए हैं। सदन में नीति और नीयत पर चर्चा कम तथा नारे, तख्तियां, वेल में प्रदर्शन और कार्यवाही बाधित करने की प्रवृत्ति अधिक दिखाई देती रही है। संसद का प्रत्येक मिनट जनता के कर से चलता है, इसलिए उसका अनुत्पादक होना केवल संसदीय विफलता नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संसाधनों का भी दुरुपयोग है। संसद का उद्देश्य सरकार को घेरना अवश्य है, लेकिन केवल हंगामा खड़ा करना नहीं; उसी प्रकार सरकार का दायित्व केवल बहुमत के बल पर निर्णय लेना नहीं, बल्कि विपक्ष की बात सुनना और संवाद के लिए वातावरण बनाना भी है।

इस बार विपक्ष के पास अनेक ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर वह सरकार को घेरने की तैयारी में है। प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, शिक्षा व्यवस्था, महंगाई, बेरोजगारी, विदेश नीति, सीमा सुरक्षा, धार्मिक स्थलों से जुड़े विवाद, मन्दिरों में चोरी, कर व्यवस्था और चुनावी प्रक्रिया जैसे विषय निश्चित रूप से राष्ट्रीय महत्व के हैं। इन पर संसद में गंभीर चर्चा होना लोकतंत्र की आवश्यकता भी है और जनता का अधिकार भी। लेकिन यदि ये विषय केवल राजनीतिक नारेबाजी का माध्यम बनकर रह जाएं, तो उनका उद्देश्य समाप्त हो जाएगा। संसद में उठाया गया प्रत्येक मुद्दा समाधान की दिशा में बढ़े, यही लोकतांत्रिक परिपक्वता का प्रमाण होगा। विपक्ष लोकतंत्र का अनिवार्य स्तंभ है। उसका दायित्व केवल सरकार का विरोध करना नहीं, बल्कि सरकार को बेहतर निर्णय लेने के लिए प्रेरित करना भी है। स्वस्थ लोकतंत्र में विपक्ष सरकार की आंख और कान दोनों होता है। यदि वह केवल विरोध की राजनीति तक सीमित हो जाए, तो उसकी विश्वसनीयता भी प्रभावित होती है। दूसरी ओर सरकार भी यदि विपक्ष के प्रत्येक प्रश्न को राजनीतिक षड्यंत्र मानकर संवाद से बचती है, तो लोकतंत्र का संतुलन कमजोर पड़ता है। इसलिए सत्ता और विपक्ष, दोनों को अपने-अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करना होगा। मानसून सत्र में यदि शिक्षा व्यवस्था पर चर्चा होती है तो उसका केंद्र छात्रों का भविष्य होना चाहिए, न कि केवल राजनीतिक लाभ। यदि महंगाई पर बहस हो तो उसका उद्देश्य आम नागरिक को राहत देने वाली नीतियों पर विचार होना चाहिए। यदि राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति अथवा सीमा संबंधी विषय उठते हैं तो उनमें दलगत राजनीति के बजाय राष्ट्रीय हित सर्वोपरि होना चाहिए। संसद की बहस तब सार्थक कही जाएगी, जब उससे नीति निर्माण की दिशा निकले और जनता को यह विश्वास हो कि उसकी समस्याओं पर गंभीरता से विचार हो रहा है। लोकतंत्र में बहस और असहमति कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। किंतु जब असहमति का स्थान अवरोध ले लेता है और बहस की जगह बहिष्कार आ जाता है, तब लोकतंत्र की आत्मा आहत होती है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि संसद को चलाना ही लोकतंत्र की वास्तविक कसौटी है। यह विचार आज पहले से अधिक प्रासंगिक है। संसद का ठप होना किसी एक दल की नहीं, बल्कि पूरे लोकतंत्र की हार है। इस समय देश अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। युवाओं को रोजगार चाहिए, किसानों को बेहतर आय की अपेक्षा है, मध्यम वर्ग महंगाई से परेशान है, शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार की जरूरत है तथा वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के बीच भारत को अपनी विकास गति बनाए रखनी है। ऐसे समय संसद से जनता समाधान चाहती है, संघर्ष नहीं। यदि पूरा सत्र केवल राजनीतिक टकराव में बीत गया तो सबसे बड़ा नुकसान आम नागरिक का होगा, जिसकी आवाज संसद तक पहुंचनी चाहिए। संसद की गरिमा केवल अध्यक्ष की कुर्सी या ऐतिहासिक भवन से नहीं बनती, बल्कि वहां बैठने वाले जनप्रतिनिधियों के आचरण से बनती है। सांसदों को यह स्मरण रखना चाहिए कि वे केवल अपने दल के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि देश की जनता के प्रतिनिधि हैं। संसद में उनका प्रत्येक शब्द और प्रत्येक व्यवहार लोकतांत्रिक संस्कृति का हिस्सा बनता है। इसलिए व्यक्तिगत आरोपों और कटुता के स्थान पर तथ्यों, तर्कों और नीति आधारित विमर्श को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

सदियों पुरानी परंपरा का जीवंत उत्सव है जगन्नाथ रथ यात्रा

भारत की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराएं अनादि काल से मानवता को आध्यात्मिकता, समरसता और भक्ति की राह पर चलने की प्रेरणा देती आई हैं। इन्हीं पवित्र परंपराओं में एक है उड़ीसा के पुरी में निकलने वाली जगन्नाथ रथ यात्रा, जो केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं बल्कि करोड़ों आस्थाओं, परंपराओं और लोक मान्यताओं का प्रतीक है। हिंदू पंचांग के अनुसार, आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि से शुरू हुई यह यात्रा नौ दिनों तक चलती है, जो 24 जुलाई को समाप्त होगी। इस दौरान भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलराम और बहन सुभद्रा के साथ भव्य रथों पर सवार होकर पुरी के मुख्य मंदिर से निकलकर मौसी के घर गुंडिचा मंदिर तक की यात्रा करते हैं। यह आयोजन न केवल भारत के सबसे प्राचीन धार्मिक उत्सवों में से एक है बल्कि विश्व के सबसे बड़े वार्षिक सार्वजनिक आयोजनों में भी इसकी गिनती होती है, जिसमें लाखों श्रद्धालु देश-विदेश से भाग लेने आते हैं। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी

पुरी का जगन्नाथ मंदिर भारत के चार प्रमुख धामों (बद्रीनाथ, द्वारका, रामेश्वरम और पुरी) में से एक है। यह मंदिर न केवल वास्तुकला की दृष्टि से विशिष्ट है बल्कि इसकी महत्ता धार्मिक ही नहीं, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी अत्यंत विशिष्ट है। भगवान जगन्नाथ को विष्णु के अवतार के रूप में पूजा जाता है और यह मंदिर उनके भाई बलभद्र तथा बहन सुभद्रा के साथ विराजने वाले एकमात्र मंदिर के रूप में प्रसिद्ध है। रथ यात्रा के माध्यम से यह 'त्रिदेव' जब मंदिर की सीमाओं से बाहर निकलते हैं तो भक्तों के लिए यह अवसर होता है प्रभु को निकट से देखने, उनके रथ को खींचने और मोक्ष की दिशा में एक कदम बढ़ाने का। इस रथ यात्रा की परंपरा का उल्लेख स्कंद पुराण, ब्रह्म पुराण और अन्य पुरातन ग्रंथों में मिलता है। मान्यता है कि रथ यात्रा में भाग लेने और विशेषकर रथ खींचने से समस्त पापों का नाश होता है और व्यक्ति को जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति मिलती है। यह यात्रा मानवीय समर्पण और भक्ति की पराकाष्ठा का जीवंत प्रदर्शन है, जहां हर कोई, चाहे वह राजा हो या आमजन, एक ही पंक्ति में खड़ा होकर भगवान की सेवा करता है।

भारतीय रेलवे में नई हाइड्रोजन क्रांति, प्रधानमंत्री ने कई रेलवे स्टेशनों का भी दिया उपहार

भारत की स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन अन्य देशों की तुलना में सबसे कम लागत मात्र 136 करोड़ रुपए में बनी है। ट्रेन की सामान्य ऑपरेशनल स्पीड 75 किमी प्रति घंटा होगी। ट्रायल रन के दौरान इसने 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार प्राप्त की थी। यह ट्रेन एक घंटे में 90 किमी का सफर तय कर सकती है।

जुलाई 17, 2026 का दिन भारतीय रेलवे के लिए एक स्मरणीय दिन बन गया है क्योंकि इस दिन रेल यातायात में विकसित भारत के नये युग का सूत्रपात हुआऔर भा रत को हाइड्रोजन ट्रेन का उपहार मिला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरियाणा के जींद रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर इसका उद्घाटन किया। अब भारत उन चुनिन्दा देशों की श्रेणी में शामिल हो गया है जहां हाइड्रोजन ट्रेनों का संचालन हो रहा है।अभी तक जर्मनी, फ्रांस और चीन जैसे देश ही इस प्रकार की ट्रेनों का संचालन कर रहे थे।जींद-सोनीपत मार्ग पर चलने वाली यह ट्रेन शून्य कार्बन उत्सर्जन वाली 10 कोच और 3,200 हार्स पावर क्षमता वाली दुनिया की सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन ट्रेनों मे शामिल है। यह ट्रेन पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक से तैयार की गई है। हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक से चलने वाली इस ट्रेन में हाइड्रोजन से बिजली बनाई जाती है जिससे ट्रेन संचालित होती है। इस प्रक्रिया में केवल जलवाष्प निकलती है इसलिए इससे शून्य कार्बन उत्सर्जन होता है। यह ट्रेन डीजल ट्रेनों की तुलना में प्रदूषण नहीं फैलाती, आवाज भी कम करती है और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करती है। इसके लिए पारपंरिक इलेक्ट्रिक ट्रेनों की तरह मार्ग पर ओवरहेड बिजली लाईन की जरूरत भी नहीं होती क्योकि बिजली ट्रेन के भीतर ही तैयार होती है। ऐसी ट्रेनों के संचालन से कोयला आधारित बिजली उत्पादन पर निर्भरता कम होगी।

यह 10 कोच वाली दुनिया की सबसे लंबी हाइड्रोजन ट्रेनों में शामिल है। यह अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त ट्रेन है जो बाहर से देखने में तो साधारण ट्रेनों की तरह ही लगती है किन्तु जब यात्री ट्रेन के कोच में बैठकर यात्रा करते हैं तो उन्हें एक अलग प्रकार की सुखद अनुभूति होती है। ट्रेन में आधुनिक सुरक्षा प्रणाली, हाइड्रोजन लीक डिटेक्शन सिस्टम और विशेष फ्यूल सेल तकनीक का उपयोग किया गया है। इस ट्रेन में यात्रियों के लिए टिकट का मूल्य 5 से 25 रुपए तक रखा गया है ताकि आम से खास तक सभी वर्ग के लोग इस पूर्ण रूप से स्वदेशी तथा प्रदूषण रहित ट्रेन की आरामदायक यात्रा का लाभ उठा सकें। भारतीय रेलवे की पहली हाइड्रोजन ट्रेन हरियाणा में जींद से सोनीपत के बीच 89 किमी प्रतिदिन दो राउंड ट्रिप यानी कुल 356 किमी का सफर तय करेगी। यह हाइड्रोजन ट्रेन जींद सिटी, गोहाना, पांडु पिंडारा, ललित खेड़ा, भंभेवा, इसापुर खेड़ी, बुटाना, खंडराई, राबरा, लाथ, मोहाना और सोनीपत स्टेशन पर रुकेगी। समयऔर कैलेंडर भारत की स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन अन्य देशों की तुलना में सबसे कम लागत मात्र 136 करोड़ रुपए में बनी है। ट्रेन की सामान्य ऑपरेशनल स्पीड 75 किमी प्रति घंटा होगी। ट्रायल रन के दौरान इसने 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार प्राप्त की थी। यह ट्रेन एक घंटे में 90 किमी का सफर तय कर सकती है। जबकि कई पुराने डीजल इंजन वाली ट्रेनों को इतनी दूरी तय करने में लगभग दो घंटे लग जाते हैं।

सुहागिनों के लिए खास है हरियाली तीज व्रत

हिंदू धर्म में व्रत-त्योहारों का विशेष महत्व माना जाता है। सावन का पूरा महीना व्रत के लिए जाना जाता है। भगवान शिव के सोमवार व्रत, मंगला गौरी व्रत, कामिका और पुत्रदा एकादशी, हरियाली तीज और नाग पंचमी के व्रत प्रमुख हैं। हरियाली तीज का व्रत विवाहित महिलाएं अपने पति की दीर्घायु और सुखी दांपत्य जीवन के लिए करती हैं। इस दौरान महिलाएं निर्जला व फलाहार व्रत रखकर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना की जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस व्रत को करने से भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

इस व्रत के रखने से वैवाहिक जीवन में प्रेम, सौहार्द और स्थिरता बनी रहती है। इसके साथ ही पति की आयु में वृद्धि और जीवन में खुशहाली आती है। हरियाली तीज के मौके पर महिलाएं सोलह श्रृंगार करती हैं, हाथों में मेहंदी लगाती हैं, झूला झूलती हैं और सावन के मधुर गीत गाती है। आइए आपको बताते हैं कब रखा जाएगा हरियाली तीज का व्रत और शुभ मुहूर्त।

हरियाली तीज 2026 कब है? हिंदू पंचांग के अनुसार हरियाली तीज का पावन पर्व सावन मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। वर्ष 2026 में तृतीया तिथि का आरंभ 14 अगस्त को सायं 6꞉46 बजे से होगा तथा यह 15 अगस्त को सायं 5꞉28 बजे तक प्रभावी रहेगी।

'जी राम जी' के नाम पर यह कैसी ठगाई!

हरिशंकर व्यास

हिसाब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मनरेगा योजना खत्म करनी थी। प्रधानमंत्री बनने के बाद 2015 में उन्होंने कहा था यह योजना कांग्रेस की विफलताओं का जीता-जागता स्मारक है। आजादी के 60 साल बाद भी कांग्रेस गरीबों को गड्ढे खोदने का काम दे रही थी और यह उनकी विफलता को दर्शाता है। पर उसके बाद क्या हुआ? मोदी सरकार ने बिना काम के लोगों को सब्सिडी, पैसा बांटना शुरू किया। कोई सौ करोड़ लोगों को सीधे लाभार्थी बनाया, नोट के बदले वोट की राजनीति पकाई। और इस एक जुलाई को पुरानी मनरेगा योजना का नया नाम 'वीबी जी रामजी' (विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण या वीबी जी रामजी

) दे कर लागू किया है।

इसमें कहने के लिए कांग्रेस से आगे बढ़ कर एक सौ की बजाय 125 दिन के रोजगार की कानूनी गारंटी दी गई है। लेकिन खर्च का चालीस प्रतिशत हिस्सा राज्य सरकारों के मत्थे मढ़ दिया है। राज्य सरकारें पहले से ही वित्तीय संकट में है। केंद्र सरकार खुद बुरी दशा में है और वह राज्यों को उनके हक का पैसा देने में भी कंजूसी, टालमटोल का रवैया अपनाए हुए है। मार्च 2026 तक राज्यों को केंद्र की कोई 17 हजार करोड़ रुपए की देनदारी थी, जिसमें 78 सौ करोड़ रुपए मनरेगा मजूदरी के थे। अब एक जुलाई से केंद्र सरकार ने मनरेगा का नाम बदल कर जी राम जी कर गांव-देहात के राम, राम सा बोलने वाले लोगों में नई ब्रांडिंग शुरू की है। पर असल में उसके पीछे होगा क्या?

हाल में मुझे देहात में नई रियलिटी मिली। खेतीहर घर के एक माली का बताना था किसान सब्सिडी के दो हजार रुपए तो आ गए हैं लेकिन मुख्यमंत्री ऐसा निकम्मा है जो उसके साथ राज्य से आने वाले हजार रुपए अभी तक नहीं भेजे। फिर अपनी जीविका का ब्योरा देते हुए बताया बुढ़िया (मां) गांव ही रहती है, मनरेगा में रजिस्टर्ड है, तीन सौ रुपए के हिसाब से दस-पंद्रह दिन का काम हर महीने आ जाता है। पर अब बता रहे है नई 'जी राम जी' नाम से नया कुछ हो रहा है। पता नहीं आगे क्या हो।

सोचें, योजना को हल्का (मनरेगा के रजिस्टर मजूदरों की नई मुश्किलों में) करके उस पर 'जी राम जी' का नाम चस्पायां है। पर पैसा पहले की तरह नहीं बंटेगा। तब लोग क्या महसूस करेंगे? 'जी राम जी' के नाम पर यह कैसी ठगाई! कांग्रेस में महात्मा गांधी के नाम की मनरेगा और हिंदू राष्ट्र के समय में 'जी राम जी'! इससे रामजी का नाम बनेगा या बिगड़ेगा?

माता पार्वती जयंती व्रत है प्रेम, समर्पण एवं विश्वास का पर्व

21 जुलाई को माता पार्वती जयंती व्रत है, सनातन धर्म में इस व्रत का विशेष महत्व है। यह व्रत आषाढ़ माह की शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। पार्वती जयंती के दिन देवों के देव महादेव की पत्नी माता पार्वती की विशेष रूप से पूजा-अर्चना की जाती है तो आइए हम आपको माता पार्वती जयंती व्रत का महत्व एवं पूजा विधि के बारे में बताते हैं।

सनातन धर्म में प्रत्येक व्रत का विशेष महत्व होता है। आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि के दिन जया पार्वती का व्रत रखा जाता है। ये व्रत सुहागिन महिलाओं और कुंवारी कन्याओं दोनों के लिए बड़ा खास होता है। भगवान शिव और माता पार्वती को प्रसन्न करने के लिए यह कठिन व्रत 5 दिनों में पूरा किया जाता है। जया पार्वती व्रत के दिन विधि-विधान से माता पार्वती का पूजन किया जाता है। हिन्दू पंचांग के अनुसार, इस बार 21 जुलाई 2026 की सुबह 4 बजकर 2 मिनट से आषाढ़ माह की शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि का आरंभ हो रहा है, जो कि कल 22 जुलाई 2026 की सुबह 5 बजकर 16 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में 21 जुलाई 2026, वार मंगलवार को इस बार पार्वती जयंती मनाई जाएगी। आषाढ़ माह की शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि यानी पार्वती जयंती का दिन देवी पार्वती के प्राकट्य दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो कि शक्ति, भक्ति, प्रेम, सौंदर्य और मातृत्व (माता होने का भाव) का प्रतीक हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार जो लोग सच्चे मन से माता पार्वती की उपासना करते हैं,

ब्रिक्स देशों में पोषण संवर्धन के लिए खाद्य भंडार

डॉ. स्वाति नायक

जलवायु से जुड़ी चुनौतियों और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान अक्सर वैश्विक खाद्य अर्थव्यवस्था को प्रभावित करते हैं, जिससे ब्रिक्स समूह को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। खाद्य भंडारों, जिन्हें अक्सर आपातकालीन स्टॉक के रूप में देखा जाता है, को अब पोषण सुदृढ़ता, स्थिरता और तेज़ी से बदलती बाजार और सामाजिक प्रणालियों के हिसाब से नए सिरे से व्यवस्थित करने की ज़रूरत है।

हालांकि वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए रणनीतिक भंडार बनाए रखना महत्वपूर्ण है, लेकिन अभी सवाल यह है कि जलवायु और व्यापार की अनिश्चितताओं के साथ-साथ भूख और कुपोषण की लगातार मौजूद समस्याओं के जवाब में किस तरह के भंडार निर्मित किये जाने चाहिए। विश्व बैंकङ्कएफएओङ्कडब्ल्यूएफपी रिपोर्ट (2025) - खाद्य सुरक्षा बढ़ाने के लिए रणनीतिक अनाज भंडार को मजबूत करना - में बताया गया है कि 2024 में 74 देशों में 343 मिलियन लोग गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे थे। यह संख्या कोविड-19 महामारी से पहले के सालों में खाद्य असुरक्षा का सामना करने वाले लोगों की संख्या से लगभग दोगुनी है। बहु-स्तरीय आर्थिक उथल-पुथल से व्यापार में व्यवधान हुए हैं और भूख में वृद्धि हुई है, इन सभी ने खाद्य सुरक्षा के लिए नए चुनौतियां खड़ी कर दी हैं।

2026 में हालात और भी खराब हो गए। विश्व बैंक के अनुसार, पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए तेल और उर्वरक का परिवहन प्रभावित हुआ है, जो वैश्विक कृषि-खाद्य मूल्य श्रृंखलाओं की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। फरवरी से मार्च 2026 के बीच उर्वरकों की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हुई, जिसमें यूरिया की कीमत एक ही महीने में लगभग 46 प्रतिशत बढ़ गई। विश्व खाद्य कार्यक्रम के पूर्वानुमानों के अनुसार, लगातार व्यवधान के कारण 45 मिलियन तक लोग भुखमरी की स्थिति में पहुंच सकते हैं।

यह ब्रिक्स देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि इनमें से अधिकांश देश प्रमुख कृषि उत्पादक/आयातक और उर्वरक के उपभोक्ता दोनों हैं।

हालाँकि, खाद्य भंडारों के बारे में पारंपरिक सोच अब पुरानी पड़ती जा रही है। पारंपरिक रूप से, खाद्य भंडार बनाने का उद्देश्य मुख्य रूप से कीमतों को स्थिर रखना या अस्थायी कमी से निपटना था। दूसरी ओर, आधुनिक समस्या अधिक जटिल है और इसके लिए ऐसे उपायों की जरूरत है जो न सिर्फ पर्याप्त कैलोरी की गारंटी दें, बल्कि खाद्य के पोषण संतुलित होने, किफायती होने और व्यवधानों के बीच लगातार उपलब्ध होने की भी गारंटी दें। यूरोपीय आयोग की संश्लेषण रिपोर्ट - %विकासशील देशों में खाद्य और पोषण सुरक्षा बढ़ाने के लिए खाद्य भंडार का उपयोग% - के अनुसार, खाद्य और पोषण सुरक्षा; अनाज की भौतिक उपलब्धता से कहीं अधिक है।

ब्रिक्स देशों के संदर्भ में यह परिवर्तन और भी महत्वपूर्ण बन गया है, जहाँ भरपूर खाद्य संसाधन होने के बावजूद भी खाद्य संकट बरकरार है। उदाहरण के तौर पर, भारत ने 2024 से 2025 की अवधि में रिकॉर्ड 353.96 मिलियन टन अनाज का उत्पादन किया है, साथ ही दुनिया के सबसे बड़े खाद्य नेटवर्क में से एक को बनाए रखा है। भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय द्वारा %फसल से घर तक: अनाज भंडारण के लिए सुदृढ़ अवसंरचना का निर्माण% विषय पर 2025 में जारी एक पृष्ठभूमि विज्ञप्ति में इस तथ्य का उल्लेख किया गया था।

भारत में उभरती हुई भंडार प्रणालियाँ यह दिखाती हैं कि भंडार केवल जमा किए गए अनाज से कहीं ज़्यादा सक्रिय पोषण प्रबंधन की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। वैज्ञानिक भंडारण, डिजिटलीकरण, विकेंद्रीकरण और सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़ाव की प्रक्रिया प्रमुख अनाज - चावल और गेहूं - के साथ-साथ दालों, मोटे अनाजों और पोषण वर्धित खाद्य पदार्थों की जैविक पोषण वर्धित किस्मों को शामिल करके भंडार में विविधता लाने का मौका देती है। यह और भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि भारत दुनिया के पोषण परिदृश्य में फसल विविधीकरण को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है।इसी तरह, चीन भी अपने भंडारों को लेकर अपनी रणनीति को फिर से व्यवस्थित करने की कोशिश कर रहा है, एक ऐसे दृष्टिकोण के तहत, जो उसके खाद्य प्रणाली में सुदृढ़ता को ध्यान में रखता है। चावल, गेहूँ और मक्का का भारी स्टॉक जमा करने के साथ-साथ, बीजिंग अब स्मार्ट भंडारण, एआई-समर्थित खाद्य निगरानी, कोल्ड चेन लॉजिस्टिक्स और देसी बीजों पर ज़्यादा ध्यान दे रहा है। अब खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में पोषण के माध्यम से सुरक्षा सुनिश्चित करने पर अधिक ध्यान है, ताकि फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम किया जा सके और विविध आहार प्राप्त किए जा सकें। रूस ने जो रास्ता अपनाया है, वह भंडार नीति के एक और पहलू का उदाहरण पेश करती है। यह भू-राजनीतिक सुदृढ़ता है। रूस ने खाद्य सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच स्पष्ट संबंध बनाए हैं, अपने भंडार बढ़ाए हैं, कृषि क्षेत्र के लिए घरेलू उत्पादन पर ध्यान दिया है तथा पश्चिम एशिया और अफ्रीका में अनाज निर्यात और उर्वरकों का भू-राजनीतिक उपकरण के रूप में उपयोग किया है। एक ऐसी दुनिया में जहाँ प्रतिबंध, अलग-अलग व्यापारिक संबंध और निर्यात नियंत्रण आम होते जा रहे हैं, यह एक महत्वपूर्ण बात है।

एक और उदाहरण मौजूद है जो अपने आप में बहुत अहम है ङ्क दक्षिण अफ्रीका। संपूर्ण खाद्य उपलब्धता पर ध्यान केंद्रित करने की बजाय, दक्षिण अफ्रीका की समस्याओं को अनाज की किफायती कीमत और पोषण तक पहुँच की कमी के रूप में देखा जा सकता है। इस मामले में, सरकार का ध्यान पोषण-संवेदनशील सामाजिक सुरक्षा, स्कूलों में खाना खिलाने की योजनाओं, सरकारी खरीद और सामुदायिक खाद्य प्रणालियों मौसम के असर से सुरक्षित बनाने पर जाता है। ऐसी स्थिति में, भंडार अधिकतर व्यापक अर्थव्यवस्था में स्थिरता लाने के साधन के बजाय पोषण कार्यक्रमों को लागू करने का एक उपकरण बन जाते हैं। इसके अलावा, विश्व बैंकङ्कएफएओङ्कडब्ल्यूएफपी रिपोर्ट इस बात पर जोर देती है कि रणनीतिक भंडार तब सबसे प्रभावी होते हैं, जब वे 卐छोटे, सरल और स्मार्ट卐 होते हैं और बाज़ार प्रबंधन के बजाय अधिकतर आपातकालीन प्रतिक्रिया पर केंद्रित होते हैं। इसी तरह, यूरोपीय आयोग की रिपोर्ट बताती है कि भंडार का स्तर तो मायने रखता ही है, लेकिन असल में शासन ही यह तय करती है कि भंडार खाद्य सुरक्षा नीति के लक्ष्यों में मदद करेंगे या उन्हें नुकसान पहुँचाएँगे।

यह महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका प्रभाव 'ब्रिक्स देश अपनी खाद्य सुरक्षा स्थिति में सुधार करने के लिए कैसे सहयोग कर सकते हैं' पर पड़ता है। कई देशों के साझा भंडार निर्मित करने के बजाय, जिन्हें बनाना राजनीतिक रूप से मुश्किल और लॉजिस्टिक्स के लिहाज़ से असंभव है, ब्रिक्स के लिए एक ऐसी अंतरराष्ट्रीय तालमेल प्रणाली का निर्माण बेहतर हो सकता है, जो डेटा आदान-प्रदान, समन्वित इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, शुरुआती चेतावनी प्रणाली, सरकारी खरीद मानक नियम और भंडारण अवसंरचना को बेहतर बनाने पर केंद्रित हो।

-:: आज का राशिफल ::-

मेष राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज किसी पुराने मित्र से मुलाकात आपके लिए शुभ समाचार लाएगी। आज प्रबंधन और मार्केटिंग से जुड़े लोगों को आज बड़ा इनाम या सराहना मिल सकती है ,

वृष राशि : आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपके जीवन में नयी खुशियांआयेंगी। आज जो युवा घर से दूर रहकर किसी कॉम्पिटिशन की तैयारी कर रहे हैं, उनका दिन बेहतर गुजरेगा। विद्यार्थी आज कुछ विशेष ऐक्टीविटीज करेंगे आपको शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा।

मिथुन राशि : आज आपका दिन शुभफलदायक रहेगा। घर में किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन करवा सकते हैं। आज निवेश से जुड़ी गतिविधियों में भी व्यस्तता रहेगी और सीनियर्स का सपोर्ट मिलेगा ,उनके अनुभव और सलाह आपके लिए उपयोगी साबित होंगे।

कर्क राशि : आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज आपको उचित समय की पहचान करनी होगी क्योंकि सही समय पर किया कार्य आपको सफलता दिला सकता है। मित्रों के साथ रिश्ते पहले से आज मजबूत होंगे।

सिंह राशि : आज आपका दिन मिला-जुला अनुभव देने वाला रहेगा। किसी नजदीकी मित्र से मुलाकात आज मन को खुशी देगी और खास विषयों पर विचार-विमर्श भी होगा।

कन्या राशि : आज आपका दिन पहले की अपेक्षा काफी बेहतर रहेगा। आज कार्यक्षेत्र में नई संभावनाओं को तलाश करने की कोशिश करेंगे। किसी काम के लिए कई दिनों से की जा रही मेहनत का परिणाम आज आपको मिल सकता है।

तुला राशि : आज आपका दिन बहुत ही उत्तम रहेगा। आज आपकी विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। आज आपको किसी बड़ी कंपनी से जॉब का बुलावा आ सकता है।

वृश्चिक राशि : आज आपकी दिनचर्या अनुशासित रहेगी जिससे आपकी समस्त गतिविधियां भी व्यवस्थित होती जाएंगी। उधार दिए हुए पैसों की आज वापसी संभव है। किसी काम की शुरुआत नये सिरे से कर सकते हैं।

धनु राशि : आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज पुरानी बिजनेस डील आपको अचानक लाभ दिलवा सकती है। आज आपका मन काफी प्रसन्न रहेगा,आपको समाज के कुछ अच्छे लोगों से जुड़ने का मौका मिलेगा।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए शुभ अवसर प्रदान करने वाला रहेगा। अगर आज आप बड़ी बिजनेस डील करने जा रहे हैं, तो उसमे निश्चित ही सफल होने के योग बन रहे हैं आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद जरूर लेनी चाहिए।

कुंभ राशि : आज आपका दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है। आज के दिन आप जो भी काम शुरु करेंगे, उसमें सफल जरूर होंगे। दोस्तों के साथ आज कहीं घूमने जाने का अवसर मिलेगा।

मीन राशि :आज आपको जीवन में कुछ खास मौके मिल सकते हैं। आज आपको किसी ऐसे व्यक्ति से मिलने का मौका मिल सकता है, जो आपके काम की नई शुरुआत में आपकी मदद करेगा।

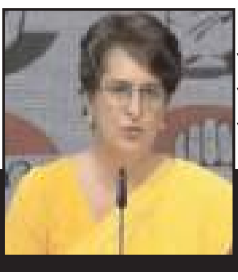

मानसून सत्र के पहले दिन संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि जहां विपक्ष शिक्षा क्षेत्र के अहम मुद्दों पर चर्चा की मांग कर रहा है, वहीं इस मुद्दे पर विरोध कर रहे छात्रों के साथ सख्ती बरती जा रही है। प्रियंका गांधी ने कहा कि हम सब चर्चा की मांग कर रहे हैं। शिक्षा नीति में कई समस्याएं और बड़े मुद्दे हैं। फिर भी, आप इस पर चर्चा करने को तैयार नहीं हैं; इसके बजाय, आप छात्रों पर आंसू गैस का इस्तेमाल कर रहे हैं और उनकी पिटाई कर रहे हैं। किसलिए? वे हमारे बच्चे हैं।

भाषा किसी भी देश की संस्कृति व विरासत की पहचान होतीः अमित शाह

कोलकाता (आरएनएस)। सांस्कृतिक राजधानी कोलकाता के नाम आज एक और ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज हो गई। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज कोलकाता स्थित ऐतिहासिक राष्ट्रीय पुस्तकालय परिसर में भारत के पहले 'शब्द संग्रहालय' का भव्य उद्घाटन किया। इस दौरान अमित शाह ने कहा कि किसी भी देश की भाषा उसकी संस्कृति, इतिहास और विरासत की पहचान होती है। उन्होंने कहा कि भाषा के माध्यम से किसी राष्ट्र की सभ्यता और उसके जीवन मूल्यों को समझा जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी मातृभाषा के साथ कम से कम एक अन्य भारतीय भाषा सीखने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे भारत की सांस्कृतिक विविधता को बेहतर ढंग से समझने का अवसर मिलेगा। उन्होंने पुस्तकालयों की महत्ता पर बल देते हुए कहा कि किसी राष्ट्र का भविष्य केवल महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या से तय नहीं होता, बल्कि इस बात से भी तय होता है कि कितने लोग पुस्तकालयों का उपयोग कर ज्ञान अर्जित करते हैं। पढ़ने की संस्कृति ही समाज को वैचारिक रूप से समृद्ध बनाती है।

अमित शाह ने बंगाल की बौद्धिक और सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि इस धरती ने देश को अनेक महान साहित्यकार, वैज्ञानिक, क्रांतिकारी और विद्वान दिए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि पश्चिम बंगाल एक बार फिर देश के विकास में अग्रणी भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि वह पिछले नौ महीनों से पश्चिम बंगाल की प्रगति पर नजर रख रहे हैं और राज्य देश का 卐प्रकाश स्तंभ卐 बनता जा रहा है। शाह ने राज्य की भाजपा सरकार की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में 卐सोनार बांग्ला卐 के निर्माण का संकल्प अवश्य पूरा होगा।

इस संग्रहालय के प्रथम चरण में भारतीय भाषाओं, लिपियों और साहित्य की विविधता को प्रदर्शित किया गया है। संग्रहालय को पारंपरिक प्रदर्शनी स्थल के बजाय एक आधुनिक अनुभवात्मक केंद्र के रूप में विकसित किया गया है, जहां डिजिटल डिस्प्ले, होलोग्राम, मोशन सेंसर और अन्य अत्याधुनिक तकनीकों के माध्यम से आगंतुक भारतीय भाषाओं के विकास की यात्रा को करीब से देख और महसूस कर सकते हैं। शब्द संग्रहालय में कुल नौ दीर्घाएं बनाई गई हैं, जो भारतीय भाषाओं के इतिहास, विभिन्न लिपियों, साहित्य और भारतीय सभ्यता पर उनके प्रभाव को दर्शाती हैं। संग्रहालय भारत की 22 अनुसूचित भाषाओं की समृद्ध विरासत को मौखिक परंपराओं, प्राचीन पांडुलिपियों, मुद्रित साहित्य और आधुनिक डिजिटल माध्यमों तक की यात्रा के साथ प्रस्तुत करता है। इसका उद्देश्य भारतीय भाषाओं को एक जीवंत सांस्कृतिक धरोहर के रूप में नई पीढ़ी के सामने लाना और देश की भाषाई विविधता को संरक्षित एवं लोकप्रिय बनाना है।

अमित शाह की पश्चिम बंगाल के अफसरों के साथ बैठक, कानून-व्यवस्था की समीक्षा की

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को यहां पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ अफसरों के साथ बैठक कर प्रदेश में कानून-व्यवस्था की समीक्षा की. राज्य की बांग्लादेश के साथ 2,217 किलोमीटर लंबी सीमा है, साथ ही इसकी सीमाएं नेपाल तथा भूटान से भी लगती हैं.

सूत्रों ने मुताबिक दक्षिण कोलकाता में हुई इस बैठक में राज्य के मुख्य सचिव मनोज अग्रवाल और डीजीपी सिद्धनाथ गुप्ता सहित कई वरिष्ठ अफसर शामिल हुए.

बैठक पश्चिम बंगाल लोक सुरक्षा एवं असामाजिक गतिविधियां नियंत्रण अधिनियम पारित होने के कुछ सप्ताह बाद हुई है. इस कड़े कानून के तहत संगठित अपराध, जबरन वसूली, अवैध खनन, साइबर अपराध के अलावा लोक व्यवस्था भंग करने जैसी गतिविधियों से निपटने के लिए राज्य सरकार को व्यापक अधिकार प्रदान किए गए हैं. पश्चिम बंगाल के तीन दिन के दौरे पर आए शाह ने शनिवार को उत्तर बंगाल में भारत-बांग्लादेश बार्डर पर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की थी और सीमा सुरक्षा बल के लिए 77.06 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया था. बता दें कि पश्चिम बंगाल में पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस शासन के दौरान अमित शाह राज्य में घुसपैठ के साथ ही कानून-व्यवस्था की स्थिति और बांग्लादेश के साथ खुली सीमा पर कई बार चिंता जता चुके हैं.

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने परिवार के साथ वाराणसी के श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में जलाभिषेक किया और पूजा-अर्चना की।

कोलकाता के न्यू टाउन स्थित बिस्वा बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में अमूल की प्रस्तावित दुनिया की सबसे बड़ी दही बनाने वाली यूनिट के निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी और बीजेपी पश्चिम बंगाल के अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य।

पारंपरिक भारतीय शिल्प से बढ़ेगी अर्थव्यवस्था को नई गति : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली,,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लिखे गए एक लेख को साझा करते हुए कहा है कि भारत का पारंपरिक शिल्प कौशल नवाचार और वैश्विक साझेदारी के माध्यम से देश की आर्थिक प्रगति का सशक्त आधार बन सकता है। उन्होंने कहा कि एक जिला, एक उत्पाद योजना स्थानीय शिल्प और पारंपरिक उत्पादों को नए बाजार उपलब्ध कराने के साथ-साथ स्थायी आजीविका, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

प्रधानमंत्री ने सामाजिक माध्यम एक्स पर अपने संदेश में कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने लेख में विस्तार से बताया है कि किस प्रकार भारत के पारंपरिक शिल्प, आधुनिक नवाचार और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से आर्थिक विकास को नई दिशा दे सकते हैं।

उन्होंने कहा कि एक जिला, एक उत्पाद योजना का उद्देश्य प्रत्येक जिले की विशिष्ट पारंपरिक कला, हस्तशिल्प अथवा स्थानीय उत्पाद को प्रोत्साहन देकर उसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाना है। इससे स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों और लघु उद्यमियों को नए अवसर मिल रहे हैं तथा उनके उत्पादों की मांग में लगातार वृद्धि हो रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह योजना केवल आर्थिक गतिविधियों को गति देने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे लाखों लोगों के लिए स्थायी रोजगार और आजीविका के अवसर भी सृजित हो रहे हैं। साथ ही देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक शिल्प कलाओं का संरक्षण भी सुनिश्चित हो रहा है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नवाचार, गुणवत्ता, विपणन और वैश्विक साझेदारी के माध्यम से भारतीय पारंपरिक उत्पाद विश्व बाजार में अपनी मजबूत पहचान बनाएंगे। इससे भारत की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को भी नई मजबूती मिलेगी।

प्रधानमंत्री ने वित्त मंत्री के विचारों का समर्थन करते हुए कहा कि स्थानीय उत्पादों को वैश्विक मंच तक पहुंचाने की दिशा में सरकार के प्रयास निरंतर जारी हैं और एक जिला, एक उत्पाद योजना इसी संकल्प का महत्वपूर्ण आधार बन चुकी है।

रेलवे ट्रैक पार कर रहा था झुंड, तभी आ गई तेज रफ्तार ट्रेन; नागपुर में कटकर 6 हिरणों की दर्दनाक मौत

नागपुर ,(आरएनएस)। नागपुर के कन्हान इलाके में मुंबई-हावड़ा रेलवे ट्रैक पर एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां तड़के रेलवे ट्रैक पार कर रहे हिरणों का एक झुंड अचानक तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे छह हिरणों की मौके पर ही कटकर जान चली गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है। इस (दर्दनाक) घटना से इलाके में वन्यजीव प्रेमियों और स्थानीय लोगों में काफी निराशा है।तुकाराम नगर इलाके में तड़के हुआ यह हादसा प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, यह हृदयविदारक घटना शनिवार

स्वस्थ भारत का संदेश : मनसुख मांडविया ने 'संडे ऑन साइकिल' में लिया हिस्सा

नई दिल्ली,(आरएनएस)। देशभर में फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' अभियान के तहत रविवार को केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने साइकिल चालकों के साथ साइकिल चलाकर लोगों को फिट रहने का संदेश दिया।

इस अवसर पर मनसुख मांडविया ने कहा कि आज के 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के साथ बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

'संडे ऑन साइकिल' का 82वां संस्करण है। उन्होंने कहा कि यह भले ही एक छोटा प्रयास है, लेकिन यही आगे चलकर बड़े बदलाव की शुरुआत बन सकता है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, जब भी आप साइकिल का पैडल चलाते हैं, तब आप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया मूवमेंट का हिस्सा बन जाते हैं। इस अभियान से जुड़कर आप खुद को स्वस्थ रखने का संकल्प लेते हैं।

उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति स्वयं स्वस्थ रहेगा, तभी समाज भी स्वस्थ बनेगा और स्वस्थ समाज ही समृद्ध राष्ट्र का निर्माण कर सकता है। आज साइकिल का लगाया गया हर एक पैडल विकसित भारत के निर्माण में प्रत्येक नागरिक का योगदान है,

जम्मू-कश्मीर के राजौरी ज़िले में भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ के बाद क्षतिग्रस्त इमारतों का मलबा सड़क पर पड़ा है।

राम जन्मभूमि ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की जांच की मांग, खरगे-राहुल ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। दोनों नेताओं ने ट्रस्ट के खातों और श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए चढ़ावे के उपयोग में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया है। प्रधानमंत्री को भेजे गए पत्र में कांग्रेस नेताओं ने कहा कि ट्रस्ट से जुड़े वित्तीय मामलों को लेकर सामने आई खबरों ने लाखों श्रद्धालुओं की भावनाओं और विश्वास को प्रभावित किया है। उनका कहना है कि श्रद्धालुओं द्वारा आस्था के साथ दिए गए दान के उपयोग को लेकर स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए। पत्र में उल्लेख किया गया है कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद संसद में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के गठन की घोषणा की गई थी, जबकि इसके सदस्यों की नियुक्ति सरकार की ओर से की गई थी। ऐसे में ट्रस्ट के कार्यों और वित्तीय प्रबंधन को लेकर सरकार की जवाबदेही भी तय होती है।

खरगे और राहुल गांधी ने मांग की है कि ट्रस्ट के सभी वित्तीय लेनदेन, नकद दान, सोना, चांदी तथा अन्य चढ़ावे के उपयोग की स्वतंत्र एजेंसी से व्यापक जांच कराई जाए।

बहुविवाह पर असम सरकार सख्त, सरकारी नौकरी और योजनाओं पर लग सकती है रोक- हिमंत बिस्वा सरमा

गुवाहाटी ,(आरएनएस)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बहुविवाह के खिलाफ राज्य सरकार के सख्त रुख को दोहराते हुए कहा है कि बहुविवाह जैसे अपराध और सरकारी नौकरी एक साथ नहीं चल सकते। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और इस तरह की प्रथा को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में कहा कि राज्य की बहनों और बेटियों के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो लोग बहुविवाह जैसी गतिविधियों में शामिल होंगे, उनके खिलाफ कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सरकार बहुविवाह करने वाले सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ भी सख्त कदम उठाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए असम सेवा (अनुशासन एवं अपील) नियम, 1964 में संशोधन का प्रस्ताव रखा गया है। राज्य सरकार का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण, लैंगिक समानता और जवाबदेह पारिवारिक व्यवस्था को बढ़ावा देना है। प्रस्तावित प्रावधानों के अनुसार, बहुविवाह करने वाले व्यक्तियों को सरकारी नौकरी के साथ-साथ राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी नहीं मिलेगा। इसके अलावा आपराधिक मामलों में दोषी ठहराए गए लोगों को भी कुछ सरकारी योजनाओं से बाहर रखने की योजना है।

ऑस्ट्रेलिया में भारतीय वायु सेना दिखाएगी अपनी मारक क्षमता

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। भारतीय वायु सेना 20 जुलाई से ऑस्ट्रेलिया के डार्विन स्थित रॉयल ऑस्ट्रेलियाई वायु सेना के वायुसेना अड्डे पर आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय हवाई युद्धाभ्यास पिच ब्लैक-2026 में भाग लेगी। 20 जुलाई से 7 अगस्त तक चलने वाला यह द्विवार्षिक अभ्यास दुनिया के प्रमुख सैन्य हवाई अभ्यासों में शामिल है, जिसमें अनेक देशों की वायु सेनाएं जटिल युद्ध परिस्थितियों में संयुक्त अभियान चलाने का अभ्यास करेंगी। पिच ब्लैक अभ्यास का नाम उत्तरी ऑस्ट्रेलिया के विशाल निर्जन क्षेत्रों में आयोजित रात्रिकालीन उड़ान अभियानों के कारण रखा गया है। पिछले 45 वर्षों से आयोजित हो रहे इस अभ्यास के मौजूदा संस्करण में अब तक की सबसे अधिक भागीदारी देखने को मिल रही है। इसका उद्देश्य विभिन्न देशों की वायु सेनाओं के बीच समन्वय, संयुक्त अभियान क्षमता और आधुनिक हवाई युद्ध कौशल को और अधिक प्रभावी बनाना है। भारतीय वायु सेना की टुकड़ी में पायलट, अभियंता, तकनीशियन, नियंत्रक तथा अन्य विशेषज्ञ वायु योद्धा शामिल हैं।

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने नई दिल्ली में संसद भवन में राजनीतिक दलों के फ्लोर लीडर्स के साथ बैठक की।

गुवाहाटी के खारघुली इलाके में पहाड़ी का एक हिस्सा ढहने के बाद, भूस्खलन से आई मलबा सड़क पर फैल गया और दोपहिया वाहनों को नुकसान पहुँचा।

बंगाल में बुलडोजर एक्शन पर घमासानः अभिषेक बनर्जी की कंपनी का दफ्तर ढहाया, टीएमसी नेता पहुंचे हाई कोर्ट

कोलकाता(आरएनएस)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के अखिल भारतीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने बुलडोजर से एक दफ्तर को गिराए जाने के खिलाफ कलकत्ता हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. यह दफ्तर दक्षिण 24 परगना के अमतला में स्थित है, जो कि सांसद (अभिषेक बनर्जी) के निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आता है. यह दफ्तर लीप्स एंड बाउंड्स के नाम से रजिस्टर्ड है.

उनका आरोप है कि जमीन के वैध दस्तावेज होने के बावजूद बीजेपी नेताओं की मौजूदगी में इस दफ्तर को ढहा दिया गया. इस मामले में तुरंत अदालती हस्तक्षेप की मांग करते हुए रविवार को कलकत्ता हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की गई. हाई कोर्ट के सूत्रों के मुताबिक, इस मामले की सुनवाई जस्टिस राजा बसु चौधरी की बेंच द्वारा किए जाने की संभावना है.

इससे पहले शनिवार, 18 जुलाई को अभिषेक बनर्जी ने इस दफ्तर को लेकर कलकत्ता हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश तपोब्रत चक्रवर्ती को एक पत्र भी लिखा था. विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद अभिषेक के अमतला स्थित दफ्तर पर हमला हुआ था. पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई न किए जाने के कारण टीएमसी नेता को हाई कोर्ट का रुख करना पड़ा था.

यह मामला जस्टिस सौगत भट्टाचार्य की बेंच के सामने लिस्ट था, लेकिन उस पर कोई सुनवाई नहीं हो सकी थी. इसी बीच, अमतला में अभिषेक बनर्जी की कंपनी लीप्स एंड बाउंड्स के मालिकाना हक वाले एक बहुमंजिला दफ्तर को कल बुलडोजर से ढहा दिया गया.

दूसरी ओर, प्रशासन का दावा है कि इस दफ्तर का निर्माण बिना किसी वैध बिल्डिंग प्लान या जरूरी मंजूरी दस्तावेजों के किया गया था. प्रशासन के मुताबिक, कई बार नोटिस भेजे जाने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिला, जिसके बाद यह सख्त कार्रवाई की गई.

दफ्तर को पहला नोटिस 30 जून को भेजा गया था, जिसके बाद 7 जुलाई को दूसरा नोटिस जारी किया गया. इसके अतिरिक्त, अभिषेक को आवश्यक दस्तावेज जमा करने के लिए 15 जुलाई को दक्षिण 24 परगना जिला प्रशासन के कार्यालय में पेश होने का निर्देश दिया गया था. आरोप है कि सांसद ने किसी भी नोटिस का जवाब नहीं दिया और न ही टीएमसी नेता तय तारीख पर पेश हुए.

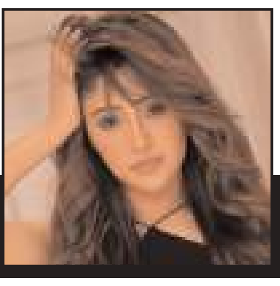

रियलिटी शो लॉकअप 2 के जजमेंट डे पर तब बड़ा हंगामा खड़ा हो गया, जब होस्ट फराह खान ने कंटेस्टेंट्स के सामने श्रेया कालरा और शिल्पा शिंदे का असली चेहरा बेनकाब कर दिया। फराह खान ने खुलासा किया कि शिल्पा और श्रेया पीठ पीछे मिलकर शिवांगी जोशी के खिलाफ काफी जहर उगलते हैं। इस बड़े खुलासे के बाद से ही शिवांगी जोशी का गुस्सा श्रेया पर फूटा हुआ है।

खुशाली कुमार ने दुल्हनिया ले आएगी को बताया अपने करियर का खास किरदार, निर्देशक बोले- हटकर अंदाज में होगी दुल्हन

अभिनेत्री खुशाली कुमार अपनी आने वाली फिल्म दुल्हनिया ले आएगी को लेकर काफी चर्चा में है। फिल्म के फर्स्ट लुक से उन्होंने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इस कड़ी में उन्होंने अपने लुक और किरदार के बारे में विस्तार से बताया। खुशाली कुमार ने कहा, जैसे ही मैंने इस फिल्म की कहानी सुनी, मुझे लगा कि यह किरदार मेरे लिए ही बना है। मेरा किरदार कोई साधारण दुल्हन नहीं है, बल्कि उसका व्यक्तित्व बहुत मजबूत है। वह अपने फैसले खुद लेती है, अपने दिल की बात खुलकर कहती है और किसी भी बात को छुपाकर नहीं रखती। यह किरदार बहादुर भी है, भावनात्मक भी है और अपने अंदाज में जीने वाली है, और यही बात मुझे इस फिल्म की तरफ खींच लाई। उन्होंने कहा, फिल्म का जो फर्स्ट लुक सामने आया है, वह सिर्फ शुरुआत है और असली कहानी इससे कहीं ज्यादा दिलचस्प है। मेरे किरदार में कई परतें हैं, जिन्हें दर्शक फिल्म के साथ धीरे-धीरे समझ पाएंगे। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस दुल्हन के अलग और अनोखे अंदाज को जरूर पसंद करेंगे।

वहीं फिल्म के निर्देशक आकाशदित्य लामा ने भी इस फिल्म को लेकर अपनी सोच साझा की। उन्होंने कहा, दुल्हनिया ले आएगी एक ऐसी कहानी है जो परिवार, रिश्तों और उनके बीच की उलझनों को मजेदार अंदाज में दिखाती है। आज के समय में रिश्तों की जटिलताएं बढ़ गई हैं, और इस फिल्म में उन्हीं भावनाओं को एक मनोरंजक रूप में पेश किया गया है।

निर्देशक ने कहा, फिल्म की सबसे बड़ी खासियत इसका मुख्य किरदार है, यानी दुल्हन। यह दुल्हन पारंपरिक सोच से बिल्कुल अलग है। उसमें आत्मविश्वास है, थोड़ी शरारत है और वह कई बार दर्शकों को चौंका भी देती है। यह फिल्म हर उम्र के दर्शकों को जोडने् की क्षमता रखती है क्योंकि इसमें हंसी, भावनाएं और परिवार का मेल है।

फिल्म के पहले पोस्टर की बात करें तो उसमें खुशाली कुमार दुल्हन के अवतार में नजर आ रही हैं। उन्होंने ब्राइडल लहंगा पहना हुआ है, लेकिन उसके साथ सनग्लासेस लगाए हुए हैं। यह कॉम्बिनेशन ही फिल्म के किरदार की खासियत को दर्शाता है कि यह दुल्हन साधारण नहीं है, बल्कि अपने अंदाज में जीने वाली लड़की है।

साई पल्लवी-जुनैद खान की फिल्म एक दिन ने ओटीटी पर दी दस्तक, अमेजन प्राइम वीडियो पर हुई स्ट्रीम

साई पल्लवी और जुनैद खान की फिल्म एक दिन डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दस्तक दे चुकी है। आमिर खान प्रोडक्शन द्वारा निर्मित और सुनील पांडे द्वारा निर्देशित यह एक रोमांटिक ड्रामा है, जो 1 मई को सिनेमाघरों में आई थी। इसने दुनियाभर में लगभग 5.08 करोड़ रुपये कमाए थे और बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह से फ्लॉप साबित हुई। साई की हिंदी डेब्यू फिल्म होने के बावजूद, इसे सिनेमाघरों में दर्शकों का अपेक्षित समर्थन नहीं मिल सका था।

आमिर खान ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक दिन की ओटीटी रिलीज का ऐलान किया है।

उन्होंने पोस्टर जारी करते हुए बताया कि फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध करा दी गई

दूरी से बढ़ती है प्यार की अहमियत, लेकिन साथ ही बढ़ सकता है शक भीः शहनाज गिल

अपनी मासूमियत और बेबाक अंदाज के लिए मशहूर अभिनेत्री शहनाज गिल इन दिनों अपनी आने वाली पंजाबी फिल्म इश्कनामा को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म की रिलीज से पहले शहनाज ने प्यार और रिश्तों को लेकर अपनी सोच साझा की। उन्होंने कहा कि जब दो लोगों के बीच दूरी आती है, तो कई बार प्यार की अहमियत बढ़ जाती है और सामने वाले की मौजूदगी ज्यादा महसूस होने लगती है, लेकिन दूरी के साथ ही रिश्तों में कुछ सवाल और शक भी पैदा हो सकते हैं। उन्होंने कहा, जब दूरी होती है, तो प्यार की वैल्यू बढ़ जाती है। दूरी दिलों को और करीब ला देती है। इंसान को सामने वाले की अहमियत ज्यादा महसूस होने लगती है, लेकिन हांॅ आपको यह नहीं पता होता कि दूसरा इंसान आपके पीछे क्या कर रहा है। इसलिए शक भी बढ़ सकता है। शहनाज ने आगे कहा, रिश्तों में प्यार और भरोसा सबसे ज्यादा जरूरी होता है। दूरी कई बार रिश्ते की गहराई को समझने का मौका देती है, लेकिन साथ ही यह भरोसे की परीक्षा भी बन सकती है।

फिल्म इश्कनामा एक सच्ची कहानी पर आधारित है, जो असल जिंदगी के प्रेमी जोड़े निम्मा और नसीमा की कहानी को दिखाती है। फिल्म की कहानी साल 1981 से 1988 के बीच भारत-पाकिस्तान सीमा के आसपास की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह एक पीरियड रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। शहनाज ने कहा कि प्यार का तरीका समय के साथ बदल सकता है, लेकिन उसकी भावना हमेशा वही रहती है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि चाहे प्यार का कोई भी तरह हो, लेकिन अगर उसमें सच्चा प्रेम है, तो वह जिंदगी भर साथ रहता है। प्यार आज का हो या पुराने समय का, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

मास महाराजा रवि तेजा की फिल्म इरुमुडी का पहला सिंगल इरुमुडी कट्टू रिलीज़

मास महाराजा रवि तेजा की बहुप्रतीक्षित भावुक पारिवारिक ड्रामा फिल्म इरुमुडी, जिसका निर्देशन शिव निर्वाणा ने किया है और निर्माण मैत्री मूवी मेकर्स ने किया है, ने अपने पहले सिंगल इरुमुडी कट्टू की रिलीज के साथ ही अपने संगीत प्रचार को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। अय्यप्पा भक्तों के साथ इसके गहरे जुड़ाव, फिल्म की पहली झलक को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया और संगीत निर्देशक जीवी प्रकाश कुमार के उत्कृष्ट संगीत के कारण इस गाने का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा था। इरुमुडी कट्टू एक आध्यात्मिक रूप से उत्थानकारी भक्ति गीत है जो तुरंत ही मन पर अमिट छाप छोड़ता है। जीवी प्रकाश कुमार ने एक शक्तिशाली और आध्यात्मिक रूप से आवेशित रचना प्रस्तुत की है जो भगवान अय्यप्पा से जुड़ी आस्था, अनुशासन और भक्ति को खूबसूरती से दर्शाती है। पारंपरिक सार को समाहित करते हुए, यह गीत शुरू से अंत तक रोंगटे खड़े कर देने वाला अनुभव प्रदान करता है।

गीत को और भी गहराई प्रदान करते हुए, निर्देशक शिव निर्वाणा ने कल्याण चक्रवर्ती के साथ मिलकर इसके बोल लिखे हैं। उनके शब्द मंडल दीक्षा लेने के बाद अय्यप्पा भक्त की पवित्र यात्रा का जीवंत चित्रण करते हैं, जिसमें इरुमुडी धारण करने और सबरीमाला की तीर्थयात्रा करने के महत्व पर प्रकाश डाला गया है। नायक के दृष्टिकोण से, गीत आध्यात्मिक परिवर्तन, अनुशासन और अय्यप्पा माला धारण करने तथा पवित्र दीक्षा पूर्ण करने के पीछे के सच्चे अर्थ की अनुभूति को दर्शाते हैं। अनंतू की सशक्त आवाज़ भक्ति की तीव्रता को और भी बढ़ाती है, हर पंक्ति में ईमानदारी और आध्यात्मिक उत्साह भर देती है। रवि तेजा ने अपने सबसे प्रामाणिक और भावपूर्ण प्रदर्शनों में से एक दिया है, जिसमें उन्होंने पवित्र माला धारण करते हुए अय्यप्पा भक्त की भक्ति, ऊर्जा और दृढ़ विश्वास को पूरी तरह से साकार किया है। उनकी समर्पित उपस्थिति दृश्यों को गीत जितना ही प्रभावशाली बनाती है। कोरियोग्राफर बाबा भास्कर ने पारंपरिक नृत्यों के साथ इस अनुभव को और भी बेहतर बनाया है, जो गीत की भक्तिमय लय और भावनात्मक तीव्रता को बखूबी पूरक करते हैं।

धमाल 4 के आगे लेनिन का भी वर्ल्डवाइड बजा डंका, अखिल अक्किनेनी के करियर का बना इतना बड़ा रिकॉर्ड

अखिल अक्किनेनी की लेटेस्ट तेलुगु रिलीज, लेनिन को दर्शकों से खूब प्यार मिल रहा है और इसकी पहले वीक की परफॉर्मेंस काफी शानदार है. इस फिल्म से अखिल ने तीन साल के ब्रेक के बाद बड़े पर्दे पर वापसी की है. गौरतलब है कि उनकी पिछली फिल्म एजेंट साल 2023 में आई थी और ये बॉक्स ऑफिस पर ठंडी साबित हुई थी.

फिर फिल्म रिलीज होने के कुछ ही टाइम बाद, एक्टर को चोट भी लग गई थी, जिससे उबरने में उन्हें काफी समय लगा. इसलिए, अभिनेता को अपनी अगली फ़िल्म लाने में 3 साल लग गए. लंबे ब्रेक के बावजूद अखिल ने बड़े पर्जे पर धमाकेदार कमबैक किया है. इस फिल्म से उन्होंने वर्ल्डवाइड एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है.

अखिल अक्किनेनी की लेटेस्ट तेलुगु रिलीज, लेनिन को दर्शकों से खूब प्यार मिल रहा है और इसकी पहले वीक की परफॉर्मेंस काफी शानदार है. इस फिल्म से अखिल ने तीन साल के ब्रेक के बाद बड़े पर्दे पर वापसी की है. गौरतलब है कि उनकी पिछली फिल्म एजेंट साल 2023 में आई थी और ये बॉक्स ऑफिस पर ठंडी साबित हुई थी.

फिर फिल्म रिलीज होने के कुछ ही टाइम बाद, एक्टर को चोट भी लग गई थी, जिससे उबरने में उन्हें काफी समय लगा. इसलिए, अभिनेता को अपनी अगली फ़िल्म लाने में 3 साल लग गए. लंबे ब्रेक के बावजूद अखिल ने बड़े पर्जे पर धमाकेदार कमबैक किया है. इस फिल्म से उन्होंने वर्ल्डवाइड एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है.

तेलुगु कमर्शियल ड्रामा लेनिन ने दुनिया भर में बॉक्स ऑफिस पर एक हफ्ता पूरा कर लिया है. पहले वीक के एंड तक, फ़िल्म ने दुनिया भर में 50 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है. अखिल अक्किनेनी के 11 साल के करियर में यह पहली बार है जब उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है. इसलिए, यह उनकी सबसे तेजी से 50 करोड़ कमाने वाली फिल्म भी बन गई है.

मुरली किशोर अब्बुरु के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अखिल अक्किनेनी के साथ भाग्यश्री बोर्से मुख्य भूमिका में हैं. यह अभिनेत्री की अब तक की सबसे बड़ी बॉक्स ऑफिस हिट फिल्म है.ये फ़िल्म रायलसीमा के बैकग्राउंड पर बेस्ड है और एक दमदार मुख्य किरदार की कहानी है, जो परिवार और राजनीति के कड़े टकरावों के बीच अपनी अलग पहचान बनाता है. फिल्म में महाभारत और रामायण का काफी प्रभाव देखने को मिलता है.

द इंडिया स्टोरी का ट्रेलर आज होगा जारी, 24 जुलाई, 2026 को आएगी काजल अग्रवाल-श्रेयस तलपड़े की फिल्म?

काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े की फिल्म द इंडिया स्टोरी काफी समय से चर्चा में हैं। पिछले महीने निर्माताओं ने इसका टीजर और पोस्टर जारी किए थे, जिसने रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करने वाले विषय को जनता के सामने लाने का संकेत दिया था। अब फिल्म के ट्रेलर को लेकर बड़ा अपडेट आया है, जिसका इंतजार लोग बेसब्री से कर रहे थे।

प्राकृतिक और जैविक स्किन केयर उत्पादों का उपयोग करने से मिल सकते हैं ये फायदे

आजकल बाजार में प्राकृतिक और जैविक स्किन केयर उत्पादों की भरमार है। ये उत्पाद न केवल त्वचा की देखभाल करते हैं, बल्कि पर्यावरण के लिए भी अच्छे होते हैं। इनका उपयोग करने से त्वचा को प्राकृतिक पोषण मिलता है और हानिकारक रसायनों से बचाव होता है। इस लेख में हम जानेंगे कि प्राकृतिक और जैविक स्किन केयर उत्पादों का उपयोग कैसे फायदेमंद हो सकता है और इन्हें अपनी दिनचर्या में कैसे शामिल किया जा सकता है।

रसायनों से मुक्त होते हैं

प्राकृतिक और जैविक स्किन केयर उत्पादों में हानिकारक रसायनों की मात्रा बहुत कम होती है या बिलकुल नहीं होती। इससे आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचने का खतरा नहीं रहता। रसायनों वाले उत्पादों से त्वचा पर जलन, खुजली या एलर्जी हो सकती है। इसलिए प्राकृतिक और जैविक उत्पादों का चयन करना बेहतर होता है। ये उत्पाद आपकी त्वचा को प्राकृतिक रूप से पोषण देते हैं और उसे स्वस्थ बनाए रखते हैं, जिससे आपकी त्वचा चमकदार और निखरी हुई दिखती है।

पर्यावरण के लिए अनुकूल

प्राकृतिक और जैविक स्किन केयर उत्पाद पर्यावरण के लिए भी अच्छे होते हैं। इनमें किसी भी प्रकार के हानिकारक रसायन का उपयोग नहीं किया जाता, जिससे पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचता।

इसके अलावा इन उत्पादों के निर्माण में प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग किया जाता है, जो पर्यावरण की सुरक्षा में मदद करता है।

ये उत्पाद आसानी से प्रकृति में घुल जाते हैं और इनके अपशिष्टों को प्रकृति द्वारा आसानी से अवशोषित किया जा सकता है।

त्वचा को प्राकृतिक पोषण

प्राकृतिक और जैविक स्किन केयर उत्पाद आपकी त्वचा को प्राकृतिक पोषण प्रदान करते हैं।

इनमें विटामिन्स, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे गुण होते हैं, जो त्वचा को स्वस्थ रखते हैं। इन उत्पादों का नियमित उपयोग करने से आपकी त्वचा की चमक बढ़ती है और वह निखरी हुई दिखती है।

इसके अलावा ये उत्पाद त्वचा की प्राकृतिक नमी को बनाए रखते हैं, जिससे आपकी त्वचा मुलायम और चमकदार दिखती है।

संवेदनशील त्वचा के लिए सुरक्षित

संवेदनशील त्वचा वालों के लिए प्राकृतिक और जैविक स्किन केयर उत्पाद सबसे अच्छा विकल्प होते हैं। इनमें किसी भी प्रकार के हानिकारक रसायन नहीं होते, जिससे संवेदनशील त्वचा पर जलन या खुजली नहीं होती।

इन उत्पादों का उपयोग करने से संवेदनशील त्वचा को ठंडक मिलती है और वह स्वस्थ रहती है। प्राकृतिक तत्वों से भरपूर ये उत्पाद त्वचा की प्राकृतिक नमी को बनाए रखते हैं, जिससे आपकी त्वचा मुलायम और चमकदार दिखती है।

लंबे समय तक प्रभावी

प्राकृतिक और जैविक स्किन केयर उत्पाद लंबे समय तक प्रभावी रहते हैं। इनके उपयोग से आपको तुरंत परिणाम मिलते हैं, जो आपकी त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाते हैं।

इन उत्पादों का नियमित उपयोग करने से आपकी त्वचा की सेहत में सुधार होता है और वह निखरी हुई दिखती है। प्राकृतिक तत्वों से भरपूर ये उत्पाद त्वचा को गहराई से पोषण देते हैं, जिससे आपकी त्वचा मुलायम और चमकदार दिखती है।

क्या डैंड्रफ ही खुजलीदार स्कैल्प की वजह है? जानें 5 अन्य कारण

स्कैल्प यानी खोपड़ी में खुजली का मतलब हमेशा डैंड्रफ नहीं होता। कई बार इसके पीछे अलग-अलग कारण होते हैं। इस लेख में हम जानेंगे कि खुजली के पीछे किन-किन कारणों का हाथ हो सकता है और उनसे कैसे छुटकारा पाया जा सकता है। इससे आप सही कारण जानकर बेहतर तरीके से इलाज कर पाएंगे और समस्या से राहत मिल सकेगी।

बालों की रूखी प्रकृति

अगर आपके बाल बहुत ज्यादा सूखे हैं, तो इससे खोपड़ी में खुजली हो सकती है। बालों में नमी की कमी होने पर सिर की त्वचा भी सूख जाती है, जिससे खुजली होने लगती है। इस समस्या से राहत पाने के लिए हफ्ते में दो बार तेल मालिश करें। इसके अलावा नमी देने वाले शैंपू का इस्तेमाल करें और कंडीशनर भी लगाएं ताकि बालों को नमी मिल सके और सिर की त्वचा स्वस्थ रहे।

एलर्जी का प्रभाव

कभी-कभी नए हेयर केयर प्रोडक्ट्स या किसी खाने की चीज से एलर्जी होने पर भी खोपड़ी में खुजली हो सकती है।

अगर आपने हाल ही में कोई नया शैंपू या कंडीशनर इस्तेमाल किया हो या फिर किसी नई चीज का सेवन किया हो तो यह समस्या हो सकती है।

इसके लिए सबसे पहले यह पता लगाएं कि आपको किस चीज से एलर्जी है और उसे अपने जीवनशैली से दूर रखें।

धूप का असर

गर्मियों में तेज धूप भी खोपड़ी की खुजली का कारण बन सकती है। धूप की वजह से सिर की त्वचा जल सकती है या फिर उसमें जलन हो सकती है, जिससे खुजली होने लगती है।

इसके लिए अपने सिर को धूप से बचाने के लिए टोपी पहनें या फिर स्कार्फ बांधें। इसके अलावा सुबह या शाम के समय बाहर निकलें जब धूप कम तेज हो। इससे आपकी खोपड़ी सुरक्षित रहेगी और खुजली की समस्या भी कम होगी।मानसिक तनाव तनाव भी खोपड़ी की खुजली का एक अहम कारण हो सकता है। जब हम तनाव में रहते हैं तो हमारे शरीर का पूरा संतुलन बिगड़ जाता है, जिससे सिर की त्वचा भी प्रभावित होती है। इस समस्या से राहत पाने के लिए ध्यान, योग या फिर गहरी सांस लेने वाले व्यायाम करें। इसके अलावा अपनी दिनचर्या में थोड़ी शांति और आराम शामिल करें ताकि आपका मन शांत रहे और तनाव कम हो सके।त्वचा के रोग कुछ त्वचा संबंधी रोग जैसे सोरियासिस या एक्जिमा भी खोपड़ी की खुजली का कारण बन सकते हैं। इन रोगों में त्वचा पर खुजली, सूजन और लालिमा होती है, जिससे सिर की त्वचा भी प्रभावित होती है। इस समस्या से राहत पाने के लिए डॉक्टर से संपर्क करें और उचित इलाज करवाएं।

इस प्रकार यह स्पष्ट होता है कि खुजलीदार खोपड़ी हमेशा डैंड्रफ ही नहीं होती बल्कि इसके कई अन्य कारण भी हो सकते हैं।

शब्द सामर्थ्य -103

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादर 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

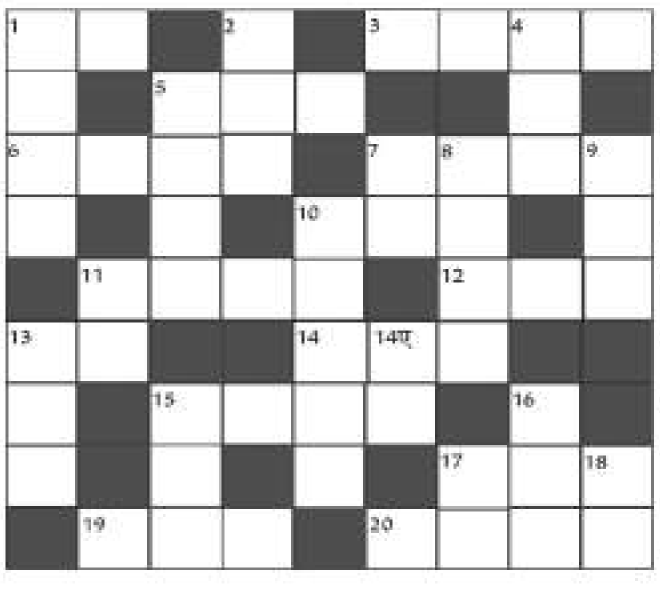

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 102 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ड़ा
त			स्व			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		दां		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नी	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना प्रभारी गढ़ा प्रसन्न कुमार शर्मा ने बताया कि देर रात विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि बदनपुर पहड़िया में कुछ जुआड़ी ताश पत्तों पर रूपये की हारजीत का दाव लगाकर जुआ खेल रहे हैं, सूचना पर मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गई जहां जुआड़ियान ताश पत्तों पर रूपये की हारजीत का दाव लगाकर जुआ खेलते दिखे जो पुलिस को देखकर भागने लगे, घेराबंदी कर जुआड़ियों को पकड़ा गया जिन्हौंने पूछताछ पर अपने नाम क्रमशः मोनू प्रजापति उम्र 37 वर्ष निवासी नेता कालोनी साई बाबा मंदिर के पास अधारताल, श्याम प्रजापति उम्र 32 वर्ष निवासी इंद्रा बस्ती रतन नगर गढ़ा, मोनू उर्फलक्ष्मी सिंह लोधी उम्र 42 वर्ष निवासी गंगासागर

शिक्षा से जुड़े गंभीर मुद्दों और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर एमपीएसयू का जोरदार प्रदर्शन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्य प्रदेश छात्र संघ (एमपीएसयू) के तत्वावधान में आज जबलपुर में शिक्षा प्रणाली में व्याप्त अव्यवस्थाओं और छात्रों की विभिन्न समस्याओं को लेकर एक विशाल पैदल मार्च का आयोजन किया गया। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष * अभिषेक पांडे के नेतृत्व में सैकड़ों छात्रों ने सड़कों पर उतरकर अपना विरोध दर्ज कराया और केंद्रीय शिक्षा मंत्री * धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की।

मालवीय चौक से फुहारा तक गूंजे विरोध के स्वर

यह पैदल मार्च शहर के प्रमुख मालवीय चौक से शुरू होकर फुहारा पर संपन्न हुआ। मार्च के दौरान छात्रों के हाथों में तख्तियां और बैनर थे, जिन पर शिक्षा व्यवस्था में सुधार और छात्रों के अधिकारों के समर्थन में नारे लिखे थे। प्रमुख मांगें- 1. शिक्षा मंत्री का इस्तीफा- शिक्षा व्यवस्था में लगातार हो रही गड़बड़ियों और नीतिगत विफलताओं की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान तुरंत अपने पद से इस्तीफा दें।2. शिक्षा के मुद्दों पर ध्यानाकर्षण: परीक्षाओं में पारदर्शिता, समय पर परिणाम घोषित करने और बढ़ती फीस पर अंकुश लगाने की मांग

3. छात्र हित में कदम- मध्य प्रदेश के युवाओं और विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ बंद करने की चेतावनी ।

जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं, आंदोलन जारी रहेगा - अभिषेक पांडे

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए के अध्यक्ष अभिषेक पांडे ने कहा:- आज देश और प्रदेश का छात्र अपने भविष्य को लेकर असुरक्षित महसूस कर रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में लगातार हो रही लापरवाही युवाओं के सपनों पर पानी फेर रही है। यदि केंद्र सरकार और संबंधित प्रशासन ने हमारी मांगों पर जल्द सकारात्मक कदम नहीं उठाए, तो मध्य प्रदेश छात्र संघ इस आंदोलन को और उग्र रूप देगा तथा इसे प्रदेश स्तर पर हर जिले में ले जाएगा । इस पैदल मार्च में शहर के विभिन्न महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों से आए बड़ी संख्या में छात्र छात्राओं सहित स्क्क्र के पदाधिकारी उपस्थित रहे, इस दौरान अभिषेक पांडे, आकाश खरे, आर्यन बेंतिया, उत्कर्ष मिश्रा, कृष्ण तिवारी, तरुण विश्वकर्मा, अक्षत नेमा, आयुष शिवलानी, हर्ष लोनकर, अभिनव सिंह परिहार ।

शहर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने निगम सख्त

शास्त्री ब्रिज से यातायात चैक तक चला अभियान, 16,200 रूपये का वसूला जुर्माना

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। शहर को साफ-सुथरा, अतिक्रमण मुक्त और सुव्यवस्थित बनाने की दिशा में नगर निगम द्वारा लगातार कदम उठाए जा रहे हैं। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देशों के पालन में आज संभाग क्रमांक 13 के अंतर्गत शास्त्री ब्रिज एवं तीन पत्ती चैक से लेकर यातायात चैक तक स्वच्छता एवं व्यवस्था अभियान चलाया गया।

इस अभियान के तहत सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने, प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने, दुकानों के बाहर अतिक्रमण करने तथा बिना वैध लाइसेंस व्यापार करने वाले 16 दुकानदारों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही कर स्पॉट फाइन के रूप में 16,200 रूपये का जुर्माना वसूला गया। नगर निगम का यह कदम न केवल नियमों का उल्लंघन करने वालों पर अंकुश लगाएगा, बल्कि आम नागरिकों और व्यापारियों को भी अपनी दुकानों व आस-पास का वातावरण स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित करेगा। कार्रवाई के दौरान नगर निगम की टीम पूरी सक्रियता के साथ मैदान पर तैनात रही। इस दौरान सहायक स्वास्थ्य अधिकारी अनिल बारी, सी.एस.आई. किशन दुबे, अभिषेक विश्वारी एवं अतिक्रमण दल प्रभारी जे. प्रवीण व दुर्गा आदि उपस्थित रहे।

संत निरंकारी बाबा सत्संग भवन सिहोरा में किया गया रक्तदान शिविर का आयोजन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्र स्थित नेशनल हाईवे 30 पर संत निरंकारी सत्संग भवन रायपुरा नेशनल हाईव मोहसाम सिहोरा में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चले रक्तदान शिवर में 20 यूनिट रक्तदान संग्रहण किया गया।

आयोजक संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन सिहोरा नें जानकारी देते हुए बताया कि रक्तदान शिवर का आयोजन निरंकारी बाबा हरदेव जी महाराज एवं सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की आशीम कृपा से आयोजित किया गया। शिविर के आयोजन दौरान, सिहोरा, खितौला सहित ग्रामीण क्षेत्रों के मोहसाम, कुआं गांवों के लोगों ने बढ़ चढ़ रक्तदान किया। कार्यक्रम के दौरान - संयोजक प्रेम दयाल कनोजिया, बलराम पटेल गोसलपुर, चन्द्र कुमार पारवानी, बहन उषा गुप्ता,हूंग् राज मूल चंदानी सहित अन्य सदस्यों की मौजूदगी में रक्तदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विक्टोरिया अस्पताल जबलपुर से पधारें वरिष्ठ डॉ मुकेश मिश्रा एवं ब्लड टीम ने अपनी कड़ी मेहनत के साथ कार्य को सफ़लता पूर्वक सम्पन्न कराया।

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के परिचालन विभाग के नवीनीकृत कार्यालय एवं हॉल का हुआ शुभारंभ

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर रेल मंडल में कार्यस्थलों को अधिक आधुनिक, व्यवस्थित एवं कर्मचारी-अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय स्थित परिचालन विभाग के नवीनीकृत कार्यालय एवं नवीन हॉल का शुभारंभ आज मंडल रेल प्रबंधक श्री कमल कुमार तलरेजा द्वारा किया गया।

इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश कुमार कलामे एवं श्री अभय कुमार गुप्ता, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक श्री प्रिंस विक्रम, वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) श्री राहुल जयपुरियार, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (कोचिंग) श्री अनुराग पांडे सहित मंडल के विभिन्न विभागों के शाखा अधिकारी एवं परिचालन विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

नवीनीकरण के अंतर्गत कार्यालय एवं हॉल को अधिक सुव्यवस्थित, आकर्षक एवं कार्य के अनुकूल स्वरूप प्रदान किया गया है। बेहतर प्रकाश व्यवस्था, बैठने की सुविधाएं तथा कार्यस्थल की समुचित व्यवस्था से कर्मचारियों को अधिक सुविधाजनक एवं सकारात्मक कार्य वातावरण प्राप्त होगा। इससे परिचालन संबंधी कार्यों के निष्पादन में दक्षता, समन्वय एवं कार्यकुशलता में और अधिक वृद्धि होने की अपेक्षा है।

मंडल रेल प्रबंधक श्री कमल कुमार तलरेजा ने इस अवसर पर कहा कि कर्मचारियों को बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध कराना रेलवे प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। आधुनिक एवं सुव्यवस्थित कार्यालय न केवल कार्यक्षमता बढ़ाते हैं, बल्कि कर्मचारियों के मनोबल एवं उत्पादकता में भी सकारात्मक वृद्धि करते हैं।

कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक श्री प्रिंस विक्रम ने उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया तथा नवीनीकृत कार्यालय के सफल निर्माण एवं शुभारंभ में सहयोग देने वाले सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहना की।

स्वच्छ जलापूर्ति, जल संरक्षण और मजबूत विद्युत व्यवस्था पर निगमायुक्त का विशेष फोकस

फील्ड में नागरिकों के साथ समन्वय के बनाकर अधिकारी करें कार्य-निगमायुक्त

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार शहर की मूलभूत सुविधाओं को और अधिक बेहतर बनाने के लिए अधिकारियों के साथ नियमित रूप समीक्षा कर रहे हैं। इसी कड़ी में आज भी उन्होंने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में निगमायुक्त ने लोककर्म, जल प्रदाय, विद्युत व्यवस्था और सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को फील्ड में उतरकर काम करने और पार्षदों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने के कड़े निर्देश दिए हैं।

बैठक में निगमायुक्त ने स्पष्ट किया कि नागरिकों को स्वच्छ और निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित करना निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके साथ ही उन्होंने जल संरक्षण की दिशा में विशेष प्रयास करने पर जोर दिया,

ताकि भविष्य के लिए जल स्त्रोतों को सुरक्षित किया जा सके। उन्होंने जल प्रदाय विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे लीकेज और दूषित पानी की शिकायतों पर तुरंत एक्शन लें।

शहर की स्ट्रीट लाइट और विद्युत अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए भी निगमायुक्त ने ठोस रणनीति बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्य मार्गों के साथ-साथ वार्डों की आंतरिक गलियों में भी प्रकाश व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त होनी चाहिए।

निगमायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में नागरिकों के साथ निरंतर संवाद और समन्वय बनाए रखें। नागरिकों की समस्याओं के समाधान को लेकर निगमायुक्त बेहद गंभीर नजर आए। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कहा कि शिकायतकर्ता की संतुष्टि के साथ फीडबैक लेकर बंद कराया जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विकास कार्यों में लाएं तेजी

लोककर्म विभाग की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने शहर में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समय-सीमा पर ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की गति ऐसी होनी चाहिए जिससे आम नागरिकों को उसका लाभ समय मिल सके। बैठक में सभी विभागीय प्रमुख आदि उपस्थित रहे।

निगमायुक्त और उनकी टीम की सक्रियता रंग लाई सी.एम. हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण में प्रदेश में नवमीं बार अव्वल आया नगर निगम जबलपुर

शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि के बाद ही अधिकांश प्रकरणों का किया गया निराकरण - निगमायुक्त अहिरवार

निगमायुक्त के मार्गदर्शन में वेटेज स्कोर के आधार पर 98.86 प्रतिशत प्रकरणों का हुआ निराकरण

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार की अगुवाई में सक्रियता से कार्य कर रही उनकी टीम की मेहनत एवं मॉनिटरिंग रंग लाई है। सी.एम. हेल्पलाइन के माध्यम से नगर निगम को प्राप्त अधिकांश शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण कर नगर निगम ने वेटेज स्कोर के आधार पर 98.86 प्रतिशत प्राप्त कर प्रदेश में लगातार नवमीं बार अव्वल स्थान हासिल करने का कीर्तिमान स्थापित किया है। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में नगर निगम द्वारा कुल 3 हजार 8 सौ 01 शिकायतों में से लगभग 59.16 प्रतिशत शिकायतों का निराकरण शिकायतकर्ताओं से चर्चा कर किया गया। नगर निगम को इसके लिए आज दिनांक 20 जुलाई 2026 को मध्यप्रदेश शासन के द्वारा जारी ग्रेडिंग लिस्ट में प्रदेश में नवमीं बार प्रथम रैंक ए ग्रेड के रूप में प्राप्त हुआ है। इस प्रकार नगर निगम जबलपुर के द्वारा अधिकतम प्रकरणों का संतुष्टिपूर्वक एवं सकारात्मक निराकरण किया गया। निगमायुक्त ने इस उपलब्धि के लिए टीम के सभी सदस्यों को बधाई दी और आगे भी इसी तरह से काम करने की प्रेरणा भी दी। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने बताया कि शासन स्तर पर प्रतिमाह नगर निगम के कार्यो की ग्रेडिंग जारी की जाती है। जिसके अंतर्गत माह जून 2026 की ग्रेडिंग जारी हुई है, जिसमें जबलपुर को ए ग्रेड और प्रदेश के सभी नगर निगमों में लगातार नवमीं बार प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। यह निगम के लिए बड़ी उपलब्धि है।

नगर निगम की टीमों ने शिकायतकर्ताओं से चर्चा कर किया संतुष्टिपूर्वक समाधान

निगमायुक्त ने टीम के सभी सदस्यों को दी बधाई और इसी तरह से काम करते रहने की प्रेरणा

करंट लगने से 15 फीट ऊंचाई से गिरा आउट सोर्स विद्युत कर्मी, मुख्य अभियंता प्रतिवेदन दें - मा. अ. आयोग

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जिले की तहसील पाटन में गत 27 जून को 11 केवी विद्युत लाइन का डीओ फ्यूज डीपी के ऊपर चढ़कर लगाने का कार्य किये जाने के दौरान धर्मेंद्र मेहरा नामक आउट सोर्स विद्युत कर्मी की करंट लगने से 15 फीट ऊंचाई से गिरकर गंभीर रूप से घायल होने की घटना सामने आई है। घटना के बाद विद्युत कर्मी की रीढ़ की हड्डी टूट जाने के कारण उसे इलाज के लिये निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। यह कार्य आउट सोर्स कर्मी से ग्रामीण सर्किल के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा कार्य कराया जा रहा था 7 मप्र मानव अधिकार आयोग के क्षेत्रिय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा नें बताया कि मीडिया रिपोर्ट के आधार पर मामले को जनहित मे संज्ञान लेकर आयोग की मुख्य पीठ भोपाल मे प्रकरण पर सुनवाई करते हुये, अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह की एकल पीठ ने प्रथम दृष्टया मानव अधिकारों के हनन का मामला मानकर, पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के मुख्य अभियन्ता से मामले की जांच कराकर, की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन दो सप्ताह में तलब किया है।

पश्चिम मध्य रेल में कैशलेस ट्रांजेक्शन से अकेले जून माह में 14 करोड़ से अधिक का राजस्व अर्जित

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। भारतीय रेल द्वारा यात्रियों को अत्याधुनिक डिजिटल तकनीकों के माध्यम से सुविधाजनक, सुरक्षित एवं पारदर्शी सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से कैशलेस ट्रांजेक्शन को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी दिशा में पश्चिम मध्य रेल भी सक्रिय रूप से प्रयासरत है और विभिन्न डिजिटल भुगतान माध्यमों के उपयोग को प्रोत्साहित कर रही है।

पश्चिम मध्य रेल के तीनों मंडलों जबलपुर, भोपाल एवं कोटा में पीआरएस एवं यूटीएस काउंटर्स पर यूपीआई/भीम, मोबाइल टिकटिंग तथा पीओएस मशीनों के माध्यम से कैशलेस भुगतान में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अतिरिक्त, यात्रियों को ट्रेनों एवं स्टेशन परिसरों में डिजिटल माध्यमों से टिकट खरीदने और भुगतान करने हेतु भी प्रेरित किया जा रहा है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 के जून माह में पश्चिम मध्य रेल ने पीआरएस एवं यूटीएस के माध्यम से कुल 16,32,799 यात्रियों से ?14,17,24,565 का कैशलेस ट्रांजेक्शन कर रेलवे राजस्व अर्जित किया।

पीआरएस के अंतर्गत पीओएस मशीनों से ?6,69,495 तथा यूपीआई/भीम ऐप से ?5,53,74,390 का राजस्व प्राप्त हुआ।

यूटीएस प्रणाली में मोबाइल टिकटिंग से ?1,87,28,260 एवं यूपीआई/भीम ऐप से ?6,69,52,420 का राजस्व अर्जित किया गया।

डिजिटल भुगतान के लाभ-

डिजिटल भुगतान प्रणाली से यात्रियों को नकद धनराशि ले जाने की आवश्यकता समाप्त होती है, जिससे समय की बचत के साथ-साथ लेन-देन में पारदर्शिता भी सुनिश्चित होती है। रेलवे द्वारा अपनाए गए सभी डिजिटल भुगतान माध्यम उन्नत एन्क्रिप्शन एवं डेटा प्रमाणीकरण तकनीकों से सुरक्षित बनाए गए हैं। पश्चिम मध्य रेल अपने तीनों मंडलों में डिजिटल भुगतान प्रणाली को और अधिक सशक्त एवं सुलभ बनाने हेतु निरंतर प्रयास कर रही है। भविष्य में अधिक से अधिक यात्रियों को कैशलेस ट्रांजेक्शन से जोड़ने के लिए जागरूकता अभियान एवं तकनीकी विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

देवकी पटेल अभा कांग्रेस ओबीसी विभाग की महिला विंग की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में सदस्य नियुक्त

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर की छात्र नेत्री, एनएसयूआई की राष्ट्रीय सचिव देवकी पटेल को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के ओबीसी विभाग की महिला विंग की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का सदस्य नियुक्त किया गया है।

यह नियुक्ति ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जयहिंद द्वारा सचिव जितेंद्र बघेल तथा सुभाषिनी यादव की अनुशंसा पर की गई, जो की जबलपुर के लिये अत्यंत गौरव का विषय है।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना बेलबाग में श्रीमति जागृति वैद्य उम्र 27 वर्ष निवासी सुहागी अधारताल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका विवाह दिांक 8-6-2016 को शीतलामाई घमापुर निवासी शुभम वैद्य के साथ हुआ था शादी के लगभग एक वर्ष 2017 में उसे बेटी हुयी तो ससुराल वालों का व्यौहार उसके प्रति बदल गया था सास, ससुर, जेठ आये दिन बेटी को लेकर उलाहना देते हुये मानसिक रूप से प्रताडित करने लगे पति शराब पीकर आये दिन उसके साथ मारपीट करता था तथा सभी मिलकर उसके घर से भगा दिया,

नरसिंहपुर से पिकनिक मनाकर लौट रहे जबलपुर के 6 युवकों को हाईवा ने रौंदा, सभी की दर्दनाक मौत

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर/ नरसिंहपुर. नरसिंहपुर जिले में रविवार शाम जबलपुर-भोपाल नेशनल हाईवे-45 पर तेज रफ्तार हाईवा ने 6 दोस्तों को कुचल दिया। इनमें से 4 की मौके पर ही मौत हो गई, 2 ने इलाज के दौरान देर रात दम तोड़ दिया। ये सभी नरसिंहपुर-जबलपुर सीमा पर हाथीनाला वॉटरफॉल घूमने आए थे। लौटते समय इंदिरा नगर के पास हादसे का शिकार हो गए। मृतकों के नाम राजेंद्र पटेल, वीरेंद्र लोधी (20), रामपाल सिंह लोधी (21), जयपाल सिंह लोधी (30), आकाश सिंह लोधी (24) और नीरज सिंह लोधी (25) बताए गए हैं। सभी जबलपुर के पावला

निवासी थे। पुलिस के मुताबिक, सभी दोस्त हाथीनाला वॉटरफॉल में पिकनिक मनाकर लौट रहे थे। शाम करीब 6 बजे इंदिरा नगर के पास हाईवे किनारे रुककर सेल्फी लेने लगे। इसी दौरान तेज रफ्तार हाईवा ने उन्हें टक्कर मार दी।

सड़क से दूर खड़े थे युवक

चश्मदीदों ने बताया कि तेज रफ्तार वाहन कुछ ही सेकेंड में सड़क किनारे खड़े युवकों को टक्कर मारकर निकल गया। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई, तब पता चला। स्थानीय दुकानदार बोले कि युवक सड़क से करीब दो फीट की दूरी पर खड़े थे। फोटो खिंचवाते वक्त हाईवा ने रौंद दिया। एएसपी संदीप भूरिया ने कहा- हाईवा ड्राइवर गाड़ी लेकर फरार हो गया। सुआतला थाना पुलिस घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। जल्द ही आरोपी का पता लगा लिया जाएगा।

जबलपुर जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव भारी हंगामा, प्रदर्शन के बीच रद्द, नई तारीख बाद में आएगी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर. जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव सोमवार 20 जुलाई को भारी हंगामे और अव्यवस्था के चलते अंततः रद्द कर दिए गए. सुबह से ही निर्वाचन स्थल पर वकीलों का जोरदार प्रदर्शन शुरू हो गया था जिससे वहां अफरातफरी का माहौल बन गया. चुनाव प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने के लिए जो इंतजाम किए गए थे वे नाकाफी साबित हुए. प्रदर्शनकारियों और आयोजकों के बीच खींचतान इतनी बढ़ गई कि स्थिति को संभालना मुश्किल हो गया. सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्थाओं की पोल खुलते देख चुनाव अधिकारियों ने तत्काल प्रभाव से मतदान प्रक्रिया को स्थगित करने का बड़ा फैसला लिया. इस घटनाक्रम के बाद से पूरे इलाके में सरगर्मी तेज हो गई है और हर कोई इस उठापटक के कारणों पर चर्चा कर रहा है.

नई तारीखों का इंतजार कर रहे सभी मतदाता

चुनाव रद्द होने की आधिकारिक घोषणा के बाद अब सभी की निगाहें आगामी तारीखों के ऐलान पर टिकी हुई हैं. संघ के सदस्यों और प्रत्याशियों में इस अचानक हुए घटनाक्रम को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है. निर्वाचन समिति जल्द ही नई तिथियों की घोषणा करेगी जिसकी स्पष्ट जानकारी का सभी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

अधारताल में नकली स्नैक्स फैक्ट्री पर पुलिस की दबिश, मशहूर रेडी-टू-ईट ब्रांड की पैकिंग व स्वाद की हो रही थी नकल

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। अधारताल थानान्तर्गत खजरी-खिरिया बायपास क्षेत्र में लम्बे समय से संचालित हो रही विजय श्री सेल्स कंपनी में आज उस वक्त हड़कम्प मच गया, जब अधारताल पुलिस ने यहां पर घेराबंदी कर दबिश दी। पुलिस ने यहां से रेडी-टू-ईट स्नैक्स कंपनी के नकली रेपरों में पैकिंग की जा रही थी। अधारताल पुलिस के अनुसार टेमर भीठा स्थित गंगा फूड्स कंपनी के संचालक योगेश व विनोद उपाध्याय ने शिकायत की थी कि बाजार में उनके उत्पादों जैसे सामान सस्ते दामों पर बेचे जा रहे हैं, जिससे उनकी बिक्री प्रभावित हो रही है। उन्होने पुलिस को कंपनी के नाम के नकली रेपर भी दिए थे कि लोकप्रिय रेडी-टू-ईट स्नैक्स एबीसीडी, दाल चावल व बिरयानी की न केवल पैकिंग की नकल की जा रही थी, बल्कि उनके स्वाद (फ्लेवर) को भी कॉपी किया जा रहा था। जिसपर आज दोपहर तीन बजे के लगभग अधारताल पुलिस की टीम ने दोपहर 3 बजे खजरी खिरिया बाईपास स्थित आकाश गौतम की विजय श्री सेल्स इंटरप्राइजेज फैक्ट्री पर छापा मारा। पुलिस ने कॉपीराइट उल्लंघन से जुड़े संदिग्ध उत्पादों, मशीनों और पैकिंग सामग्रियों की जांच की। अधारताल टीआई विपिन ताम्रकार के अनुसार, प्रथम दृष्टया कॉपीराइट कानून का स्पष्ट उल्लंघन पाया गया है, जिसके कारण यह त्वरित कार्रवाई की गई। पुलिस ने पीड़ित कंपनी की शिकायत पर माल जब्त कर फैक्ट्री सील कर दी है। आगे की वैधानिक और दंडात्मक कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

उजार पुरवा में देर रात जमकर बवाल, दो पक्षों में जमकर पथराव, मारपीट, मोटर साइकिलों में तोडफ़ोड़

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। शहर के लॉर्डगंज थाना क्षेत्र के उजारपुरवा गली नंबर-2 में रविवार देर रात लेकर दो पक्षों के बीच पुरानी रंजिशन पर जमकर हिंसक विवाद हो गया। पहले एक युवक के साथ मारपीट की गई, जिसके बाद दूसरे पक्ष के 10 से 12 युवक हथियारों से लैस होकर मौके पर पहुंचे और जमकर उत्पात मचाया।

आरोपियों ने जमकर पथराव किया व तलवारें लहराकर क्षेत्र में दहशत फैलाई तथा घरों के बाहर खड़ी मोटरसाइकिलों में तोडफ़ोड़ कर दी। विरोध करने पर रिंकू यादव घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही लॉर्डगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

लोगों का आरोप है कि सौरभ रैकवार, सत्यम रैकवार सहित कुछ असामाजिक तत्व क्षेत्र में आए दिन शराब पीने के लिए पैसों की मांग करते हैं। विरोध करने पर विवाद और मारपीट करते हैं। उनका कहना है कि बीती रात करीब 2 बजे 10 से 12 युवक हथियारों के साथ पहुंचे और अचानक हमला कर दिया, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई।

सही नाम सूचना

मैं शालिनी महोबिया उम्र 47 साल, पति श्री मदन महोबिया, निवासी म.नं. 30, नागपुर रोड त्रिपुरी वॉर्ड तिलवारा घाट जबलपुर (म.प्र.), आधार नं. 4664 9126 8119 शपथपूर्वक निम्नलिखित कथन करती हूँ कि- **1.** यह कि उपरोक्त पते पर निवास करती हूँ। **2.** यह कि मेरे सभी दस्तावेजों (पेन कार्ड, आधार कार्ड, बैंक पास बुक, समग्र आईडी) में मेरा नाम शालिनी महोबिया दर्ज है। **3.** यह कि पोस्ट ऑफिस कि बीमा पालिसी में मेरा नाम त्रुटिवश यशोदा महोबिया दर्ज दर्ज हो गया है। **4.**यह कि शालिनी महोबिया एवं यशोदा महोबिया एक ही व्यक्ति के नाम है जो कि मैं स्वयं हूँ। **5.** यह कि मुझे आज से शालिनी महोबिया (Shalini Mahobiyah) के नाम से जाना पहचाना जाना चाहिए। **6.** यह कि उपरोक्त कथनो कि पुष्टि वास्ते शपथ पत्र पेश है।

वास्तविक नाम -शालिनी महोबिया
त्रुटिवश नाम- यशोदा महोबिया

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-12,घंटाघर नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./12/ 2026-27/ एम/14 दिनांक 17.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री गिरधारी लाल विश्वकर्मा, पिता स्व. श्री सुरेश प्रसाद विश्वकर्मा** ने मकान नं. 343/1 **वार्ड- महर्षि अरविन्द ,** कुल क्षेत्रफल 1080 व.फु., निर्मित क्षेत्रफल 823 व.फु., भूतल 500 व.फु., प्रथमतल 323 व.फु., **शपथपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -12 घंटाघर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-12 घंटाघर
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-12,घंटाघर नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./12/ 2026-27/ एम/16 दिनांक 17.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री राकेश भोरेल, पिता- किशोरी लाल** ने मकान नं. 131/1 **वार्ड- महर्षि अरविन्द ,** कुल क्षेत्रफल 1000 व.फु., निर्मित क्षेत्रफल 1000 व.फु., भूतल 500 व.फु. आर.सी.सी., भूतल 500 व.फु. कच्चा, **शपथपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -12 घंटाघर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-12 घंटाघर
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-03 रामपुर (शक्ति भवन रोड) नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अ./03/2026-27/ एम 168/ दिनांक 20.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री रमेश मनोचा, पिता श्री एस.पी. मनोचा** संपत्ति पिन नं. 1004177167, भवन क्रं. 7/1,2/1 का भाग , **वार्ड शंकर शाह नगर वार्ड ,** प्लाट क्षेत्रफल 22220 व.फु., **सहमति विलेख वसीयतनामा,** के आधार पर नगर निगम भवन क्रं. 7/1,2/1 का भाग , **वार्ड शंकर शाह नगर वार्ड ,** पंजीकृत गृह स्वामी कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार- श्री राकेश मनोचा, श्री राजेश मनोचा, श्री रमेश मनोचा, के स्थान पर नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिस किसी को उक्त प्रस्तुत नामांतरण पर आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर संभागीय कार्यालय **संभाग क्रमांक-03 शक्ति भवन रोड, रामपुर** नगर निगम जबलपुर में प्रमाण दस्तावेजो सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं-03 रामपुर
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-03 रामपुर (शक्ति भवन रोड) नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अ./03/2026-27/ एम 169/ दिनांक 20.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती ऊषा नेमा, पति स्व. श्री भगवती शरण, एवं श्रीमती प्रज्ञा नेमा, पिता स्व. श्री भगवती शरण** संपत्ति पिन नं. 1000595719, भवन क्रं. 1986/5 , **वार्ड शहीद गुलाब सिंह वार्ड ,** प्लाट क्षेत्रफल 2400 व.फु., भूतल 960 व.फु.,**मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र,** के आधार पर नगर निगम भवन क्रं. 1986/5 , **वार्ड शहीद गुलाब सिंह वार्ड ,** पंजीकृत गृह स्वामी कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार- श्री भगवती शरण नेमा, पिता श्री बाबू लाल नेमा के स्थान पर नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिस किसी को उक्त प्रस्तुत नामांतरण पर आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर संभागीय कार्यालय **संभाग क्रमांक-03 शक्ति भवन रोड, रामपुर** नगर निगम जबलपुर में प्रमाण दस्तावेजो सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं-03 रामपुर
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-6,नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/06/2026-27/ एम/111 जबलपुर दिनांक 20.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती शाजदा मंसूरी, पति मो. मुस्तफा मंसूरी** मकान नं. 302 **वार्ड. पं. गोविन्द बल्लभ पंत** पिन नं. 1000704770, क्षेत्रफल 100 व.फु., भूतल 100 व.फु., **संलग्न- विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक-6 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-6
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-6,नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/06/2026-27/ एम/112 जबलपुर दिनांक 20.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री सुरेन्द्र कुमार सोनी, पिता श्री किशन लाल सोनी, एवं श्रीमती दीपशिखा सोनी, पति श्री सुरेन्द्र कुमार सोनी** मकान नं. 394 **वार्ड. पं. गोविन्द बल्लभ पंत** पिन नं. 1000703190, क्षेत्रफल 300 व.फु., भूतल 300 व.फु., प्रथमतल 300 व.फु., **संलग्न- विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक-6 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-6
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं.-सं.अधि./10 / रांझी/ 2026/ एम. 158/ 2026-27 - दिनांक 20.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **1. श्रीमती कविता परयानी, पति श्री राजकुमार परयानी, 2. श्रीमती जया परयानी, पति श्री प्रदीप परयानी** ने भवन क्रं. 742 पिन क्र. 1000590715 **वार्ड क्र. 70, वार्ड लाला लाजपत राय वार्ड ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) पंजीकृत स्वामी श्री घनश्याम सुक्कल हेडाऊ, पिता श्री सुक्कल हेडाऊ, भूतल 504 व.फु. आर.सी.सी., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु/ शास. नजूल भूमि/ भवन में काबिज नामातंरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -10 रांझी** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-10 रांझी
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -234 दिनांक 20.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्रीमती अंजली पाठक, पति श्री देवेश पाठक** ने मकान नं. 265 सम्पत्ति पिन नं. 1000488607 **वार्ड वीर सावरकर- 07 वार्ड ,** कुल क्षेत्रफल 3300 व.फु., भूतल 1316 व.फु., **शपथपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, वसीयतनामा, विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-2 कछपुरा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -233 दिनांक 20.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्रीमती गीता साहू, पति- श्री बलराम साहू** ने मकान नं. 1503/1ए, सम्पत्ति पिन नं. 1000626401 का भाग **वार्ड कमला नेहरू- 19 वार्ड ,** कुल क्षेत्रफल 1420 व.फु., भूतल 675 व.फु., प्रथमतल 675 व.फु.,द्वितीयतल 606 व.फु., **शपथपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, वसीयतनामा, बटवारानामा,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-2 कछपुरा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -232 दिनांक 20.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्री वरेण्यम साहू, पिता स्व. श्री महीपाल साहू** ने मकान नं. 1503/1बी, सम्पत्ति पिन नं. 1000626401 का भाग **वार्ड कमला नेहरू- 19 वार्ड ,** कुल क्षेत्रफल 1420 व.फु., भूतल 675 व.फु., प्रथमतल 675 व.फु.,द्वितीयतल 606 व.फु., **शपथपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, वसीयतनामा, बटवारानामा,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-2 कछपुरा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -231 दिनांक 20.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्रीमती सुवर्णा साहू, पति- राकेश कुमार साहू** ने मकान नं. 1503/1सी, सम्पत्ति पिन नं. 1000626401 का भाग **वार्ड कमला नेहरू- 19 वार्ड ,** कुल क्षेत्रफल 1420 व.फु., भूतल 675 व.फु., प्रथमतल 675 व.फु.,द्वितीयतल 606 व.फु., **शपथपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, वसीयतनामा, बटवारानामा,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-2 कछपुरा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -230 दिनांक 20.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्री राम कुमार साहू, पिता स्व. श्री महीपाल साहू** ने मकान नं. 1503/1 सम्पत्ति पिन नं. 1000626401 **वार्ड कमला नेहरू- 19 वार्ड ,** कुल क्षेत्रफल 1420 व.फु., भूतल 675 व.फु., प्रथमतल 675 व.फु.,द्वितीयतल 606 व.फु., **शपथपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, वसीयतनामा, बटवारानामा,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-2 कछपुरा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -229 दिनांक 20.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **काबिज- श्री देवेश तिवारी, पिता स्व. श्री शिव कुमार तिवारी** ने मकान नं. 2864/ एम सम्पत्ति पिन नं. 1000480021 **वार्ड रानी दुर्गावती-17 वार्ड ,** कुल क्षेत्रफल 1800 व.फु., भूतल 1200 व.फु., **शपथपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-2 कछपुरा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -228 दिनांक 20.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **काबिज- श्री सन्तोष कुमार सिंगरहा, पिता स्व. श्री मंगल प्रसाद सिंगरहा** ने मकान नं. 1321/48 सम्पत्ति पिन नं. 1000531848 का भाग **वार्ड रानी दुर्गावती-17 वार्ड ,** भूतल 350 व.फु., **शपथपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, वसीयतनामा,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-2 कछपुरा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -227 दिनांक 20.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्री जायेश शालवार, पिता श्री सत्येन्द्र शालवार** ने मकान नं. ...... सम्पत्ति पिन नं. 1000605618 **वार्ड .... वार्ड ,** कुल क्षेत्रफल 620 व.फु., भूतल 260 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-2 कछपुरा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -226 दिनांक 20.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **सेली पाण्डेय, पिता श्री रजनीश कुमार पाण्डेय** ने मकान नं. 07 सम्पत्ति पिन नं. 1000608785 **वार्ड स्वामी विवेकानंद वार्ड , कुल** क्षेत्रफल 1500 व.फु., भूतल 800 व.फु., प्रथमतल 600 व.फु., **विक्रयपत्र, त्यागपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-2 कछपुरा
नगर निगम जबलपुर

स्वात्ताधिकारी मुद्रक प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से माँ रेवा पब्लिकेशन एण्ड प्रिन्टर्स, तथा 68/1, लक्ष्मीपुर विवेकानन्द वार्ड, मुश्कान प्लाजा के पीछे, एम.आर.-4 रोड, उखरी जबलपुर म.प्र. से मुद्रित तथा मकान नंबर 358 सांठियां कुंआ जबलपुर से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख श्री विलक्षण सक्सेना, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा। भोपाल मो.नं. 7879652007, जबलपुर मो.नं.9300696096